पटना ●शनिवार, 13 जुलाई 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः182 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नही"

अनुमंडल पदाधिकारी ने क्षतिग्रस्त ... 3 www. bordernewsmirror.com आलिया भट्ट ने शुरू की... 8

केजरीवाल को ईडी केस में राहत, लेकिन सीबीआई बनी आफत

● सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत, लेकिन अभी जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी है। जस्टिस संजीव खन्ना ने जमानत देते हुए कहा- केजरीवाल 90 दिन से जेल में हैं। इसलिए उन्हें रिहा किए जाने का निर्देश देते

हैं। हम जानते हैं कि वह चुने हुए नेता हैं और ये उन्हें तय करना है कि वे मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं या नहीं। जस्टिस खन्ना ने कहा- हम ये मामला बड़ी बेंच को ट्रांसफर कर रहे हैं। गिरफ्तारी की पॉलिसी क्या है, इसका आधार क्या है। इसके लिए हमने ऐसे 3 सवाल भी तैयार किए हैं।

किसान आएंगे और चले जाएंगे, आप हाईवे नहीं बंद कर सकते

● सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को जमकर फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंभू बार्डर से बैरिकेड हटाने को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार से कड़े सवाल पूछे हैं। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को हरियाणा सरकार से सवाल किया कि वह हाईवे को कैसे ब्लॉक कर सकती है। साथ ही

न्यायालय ने राज्य सरकार को अंबाला के पास शंभू बार्डर पर लगाए गए अवरोधक हटाने का निर्देश दिया। एक दिन पहले ही हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को शंभू बॉर्डर फिर से खोलने का निर्देश दिया था। एक हफ्ते में अंबाला के निकट शंभू बार्डर खोलने के पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने जमकर लताड़ लगाई।

आरएसएस मानहानि मामले में राहुल गांधी को बड़ी राहत

● बॉम्बे हाईकोर्ट ने रद्द किया निचली अदालत का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को भिवंडी कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में कुछ अतिरिक्त दस्तावेजों को सबूत के रूप में स्वीकार करने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज के चव्हाण ने राहुल गांधी

द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया है। राहुल गांधी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया गया था कि ट्रायल कोर्ट ने आरएसएस पदाधिकारी राजेश कुंटे को देर से कुछ दस्तावेज पेश करने की अनुमति दी थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, ठाणे में भिवंडी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 3 जून को कुंटे द्वारा प्रस्तुत कुछ दस्तावेजों को सबूत के तौर पर रिकॉर्ड में दर्ज किया था। कुंटे राहुल गांधी के खिलाफ मामले में शिकायतकर्ता हैं। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कथित अपमानजनक भाषण की प्रतिलिपि (ट्रांसक्रिप्ट) को सबूत के तौर पर स्वीकार किया था, जिसके आधार पर ये मानहानि का मामला दर्ज किया गया है।

जाति की राजनीति करने वाले को मारूंगा लात...

जातिगत राजनीति को लेकर भड़के केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सुना दी खरी-खरी

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश में हो रही जाति की राजनीति पर अपनी नाराजगी जताई है। पुणे के एक कार्यक्रम में उन्होंने जातीय राजनीति

करने वालों को अपने बेबाक अंदाज में खरी-खरी सुना दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अभी कास्ट पॉलिटिक्स हो रही है, मगर मैं जात-पात को नहीं मानता। जो जात की बात करेगा, उसे मैं लात मारूंगा। बीजेपी नेता ने कहा कि वह अपने चुनाव क्षेत्र में भी जाति की बात करने वालों को समझा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 40 फीसदी मुसलमान हैं, इसलिए चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने वोटरों से साफ कहा था कि वह आरएसएस वाले हैं और हाफ पैंट पहनते हैं, इसलिए वोट देने से पहले सोच लें ताकि बाद में पछताना ना पड़े। जो वोट देगा, वह उसका काम करेंगे और जो नहीं देगा, मैं उसका भी काम करेंगे। बता दें कि नितिन गडकरी अपने बेबाक बयान के लिए अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और बिना लाग लपेट के अपनी बात रखते हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके नितिन गडकरी कई मौकों पर ऐसे बयान दे चुके हैं, जिससे लगता है कि वह नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए बोल रहे हैं। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि पार्टी चाहे किसी की सरकार की हो, एक चीज तय है।

महाराष्ट्र में महिलाओं के खाते में अब खटाखट आएंगे 1500 रुपए

मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना में जल्द जमा होगी पहली किस्त

19 अगस्त को रक्षाबंधन से पहले पेमेंट की तैयारी में शिंदे सरकार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले सरकार द्वारा लांच की गई मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना के लिए राज्यभर में तेज गति से क्रियान्वयन जारी है। राज्य सरकार ने योजना में आवेदन करने के लिए 31 अगस्त की समय सीया तय की है। राज्य की पात्र महिलाएं 31 अगस्त तक आवेदन कर सकती हैं। इसके बाद उनके खाते में हर महीने 1500 रुपये आएंगे। मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना की डेडलाइन बढ़ाने के बाद अब सरकार की तरफ संकेत मिल रहे हैं कि अगले महीने 15 अगस्त को सरकार बहनों को 1500 रुपये की पहली किस्त दे सकती है। सरकार को उम्मीद है कि इस योजना से महिलाओं के जीवन में काफी बदलाव आएगा। वे आगे बढ़ सकेंगी। वे आर्थिक तौर पर थोड़ी स्वतंत्र बनेंगी। मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना में आवेदक महिला के पास खाता होने को अनिवार्य रखा गया है।

खुलेगा नीट यूजी पेपर लीक का बड़ा राज!

मास्टरमाइंड के गिरफ्त में आते ही सीबीआई आश्वस्त, कोलकाता से भी जुड़ा कनेक्शन

पटना (एजेंसी)। ये लोग तारीख पर तारीख पर देते रहेंगे, तो डेट आगे बढ़ती रहेगी। हमारा समय बर्बाद होगा। इससे हमारे ऊपर यह चुनौती है कि हमें समय कितना मिलेगा पढ़ने के लिए, यह तस्वीर साफ नहीं हो पा रही है।

हमारा भविष्य अधर में लटका हुआ है। हम कोर्ट से मांग करते हैं कि तारीख पर तारीख देना बंद करे और तुरंत फैसला सुनाए। उपरोक्त बयान विकास नाम के एक छात्र का है। नीट-यूजी पेपर लीक होने के बाद छात्रों की मानसिक स्थिति क्या है। इस बयान से आप उसका अंदाजा लगा सकते हैं।

वहीं दूसरी ओर सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। सीबीआई

ने जब से जांच का जिम्मा लिया है, अब तक दर्जनों आरोपियों की गिरफ्तारी कर चुकी है। सीबीआई आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है। सीबीआई ने अब तक बिहार और झारखंड के हजारीबाग और झरिया से कई लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी के इस पेपर लीक में शामिल होने के कुछ न कुछ सबूत मिले हैं।

अब सीबीआई के हत्थे एक ऐसा शख्स चढ़ा है, जो इस खेल का मास्टरमाइंड है। उसका नाम रॉकी उर्फ राकेश रंजन बताया जा रहा है। सीबीआई ने गुरुवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित पेपर लीक की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के एक प्रमुख संदिग्ध राकेश रंजन उर्फरॉकी को गिरफ्तार किया। उसे पटना में गिरफ्तार किया गया और विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 दिनों की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया है। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि पटना और पश्चिम बंगाल में रॉकी से जुड़े चार ठिकानों पर भी तलाशी ली गई।

मुझसे मिलने वाले स्थानीय आधार कार्ड लेकर आएं

● कंगना बोलीं-मिलने का कारण भी लिखकर लाएं, कांग्रेस बोली-हमारे दरवाजे सबके लिए खुले

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने कहा है कि उनसे मिलने वाले मंडी क्षेत्र का आधार कार्ड लेकर आएं। मिलने आने वाले लोगों को अपने

आने का मकसद कागज पर लिखकर लाना होगा। कंगना ने गुरुवार को मंडी के पंचायत भवन में आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यहां पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा- हमारे प्रदेश में पूरे देश से बहुत सारे पर्यटक आते हैं, इसलिए मिलने आने वाले लोगों के पास मंडी क्षेत्र का आधार कार्ड होना जरूरी है। लोगों की समस्या या मिलने का कारण भी कागज पर लिखकर ही लाएं।

25 जून 'संविधान हत्या दिवस' घोषित, केंद्र सरकार का ऐलान

● नोटिफिकेशन जारी, 1975 में इसी दिन लगी थी इमरजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार 12 जुलाई को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया है। शाह ने लिखा, 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय

लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना इस बात की याद दिलाएगा कि उस दिन क्या हुआ था और भारत के संविधान को कैसे कुचला गया था। ये भारत के इतिहास में कांग्रेस द्वारा लाया गया एक काला दौर था। उधर, कांग्रेस ने सरकार के इस फैसले को एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, यह नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद है, जिसने दस साल तक अघोषित आपातकाल लगाया था।

असम में मां-बाप के साथ वक्त बिताने के लिए मिलेगी छुट्टी

हिमंत बिस्वा सरमा सरकार का बड़ा ऐलान, दो दिन मिलेगी अतिरिक्त लीव

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एक विशेष छुट्टी का ऐलान किया है। हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार की तरफ से घोषणा की गई है कि नवंबर में सभी सरकारी कर्मचारियों को दो दिन का अवकाश अपने माता - पिता या फिर सास-ससुर के साथ बिताने के लिए दिया जाएगा। वहीं इस छुट्टी का इस्तेमाल अपने निजी कार्य या फिर मौज-मस्ती के लिए नहीं किया जा सकेगा। जिनके माता-पिता या सास-ससुर कोई नहीं हैं, उन्हें इस स्कीम का फायदा भी नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने गुरुवार को कहा कि यह अवकाश निजी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जिन कर्मचारियों के माता-पिता या सास-ससुर नहीं हैं उन्हें छुट्टियां नहीं मिलेंगी। सीएमओ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में

सरकार ने छह व आठ नवंबर 2024 को राज्य कर्मियों को उनके माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिताने के वास्ते इस अवकाश की घोषणा की है। ये छुट्टियां बुजुर्गों के सम्मान व उनकी देखभाल के लिए है। सीएमओ ने कहा है कि सात नवंबर को छठ पूजा और नौ को दूसरे शनिवार की छुट्टी और 10 नवंबर को रविवार की छुट्टी के साथ ही इन विशेष छुट्टियों को लिया जा सकता है। कहा है कि आवश्यक सेवाओं में काम कर रहे कर्मी चरणबद्ध तरीके से इसे ले सकते हैं। हिमंत ने कहा कि बहुत सारे लोगों को अपने मां-बाप के साथ समय बिताने का मौका ही नहीं मिलता है।

बिम्स्टेक के जरिए ताकत दिखाने की तैयारी में भारत

● चीन को चुनौती और एशिया में अपनी ताकत और नेतृत्व को आगे बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिम्स्टेक के जरिए भारत एशियाई देशों के बीच अपने नेतृत्व को मजबूती से रखने के लिए प्रयास कर रहा है। कभी दक्षेस के जरिये भी ऐसे प्रयास हुए थे लेकिन उसमें पाकिस्तान की नकारात्मक भूमिका के बाद भारत ने बिम्स्टेक मंच को प्राथमिकता देनी शुरू कर दी है। नई दिल्ली में बिम्स्टेक देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भी जयशंकर ने स्पष्ट रूप से इसके संकेत दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि यह मंच हमारी पड़ोस प्रथम, एक्ट ईस्ट और सागर विजन को आगे बढ़ाएगा। बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्स्टेक)

हालांकि, ढाई दशक पुराना मंच है लेकिन मोदी सरकार में इस मंच को ज्यादा तरजीह दी गई है। इसमें भारत के अलावा छह अन्य देशों में बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका तथा थाइलैंड शामिल हैं। भारत इसका सबसे बड़ा सदस्य देश है। इसलिए इस मंच के जरिए न सिर्फ भारत बिम्स्टेक देशों के साथ अपने कारोबारी और राजनयिक रिश्तों को मजबूत कर रहा है, बल्कि इस मंच को अन्य एशियाई और आशियान देशों के साथ भी रिश्ते मजबूत करने का जरिया बना रहा है। जानकारों की मानें तो भारत के लिए बिम्स्टेक के जरिए एशिया में अपनी ताकत और नेतृत्व को आगे बढ़ाना बेहतर कारगर साबित हो सकता है। वह इस मंच में सबसे बड़ा देश और विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भी है।

अब इस्तेमाल करने योग्य नहीं बचे यूपी के 80 पुल

बिहार हादसों के बाद योगी सरकार ने कराया था सर्वे, रिपोर्ट में कई खुलासे

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार में पुलों के ढहने की खबरों के बीच उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में पुलों को लेकर सजग हो गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए यूपी की योगी सरकार ने सूबे में खासकर 50 साल से ज्यादा पुराने पुलों के सर्वे कराने का आदेश दिया है। ताकि भारी बारिश की स्थिति में किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। राज्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) यह कार्य सौंपा गया है। विभाग ने अब तक 700 से अधिक पुराने पुलों का सर्वे किया है, जिनमें से लगभग 80 पुलों को अनुपयुक्त पाया गया है या फिर उन्हें बड़ी मरम्मत की जरूरत है। अधिकारियों ने बताया कि सर्वे अभी भी चल रहा है और अंतिम रिपोर्ट अगले सप्ताह तक तैयार होने की संभावना है, जिसके बाद निर्णय लिया जाएगा कि किन पुलों की मरम्मत की जाएगी या उन्हें ध्वस्त किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने पड़ोसी राज्य बिहार में पुलों के ढहने की हालिया घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमें उत्तर प्रदेश में पुराने पुलों का गहन निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य उन पुलों की पहचान करना है जिनकी मरम्मत की जा सकती है या जिन्हें तोड़ा जाना है। इन पुलों की सिर्फ अधिरचना ही नहीं बल्कि उन खंभों की भी जांच की जा रही है जिन पर वे खड़े हैं। यह भी जांच की जा रही है कि कहीं उनके जलमार्गों में कोई रुकावट तो नहीं है, जिससे भारी बारिश के दौरान पानी रुक सकता है और आगे चलकर नुकसान, घिसाव, आधार आदि हो सकता है, ऐसा पता चला है। पीडब्ल्यूडी सभी पुलों का ऑनलाइन डाटा भी तैयार करेगा, जिसमें उनके निर्माण, रखरखाव तथा आवश्यक मरम्मत का विवरण होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने

बताया, निरीक्षण के दौरान असुरक्षित पाए गए पुलों को यातायात के लिए बंद कर दिया जाएगा, जबकि मरम्मत की आवश्यकता वाले पुलों पर आवश्यक काम किया जाएगा। राज्य में बड़ी संख्या में पुल हैं जो ब्रिटिश काल के दौरान बनाए गए थे, जिनमें राज्य की राजधानी लखनऊ, पड़ोसी शहर कानपुर और अन्य जिले शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वे सलाह और भविष्य की योजना के लिए विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से विशेषज्ञों को शामिल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

सहरसा से सुपौल और मधेपुरा के लिए नई ट्रेन, 16 जुलाई से परिचालन

सहरसा , एजेंसी। बिहार के रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। सहरसा से सुपौल और मधेपुरा के लिए 16 जुलाई से नई मेमू पैसेंजर ट्रेन चलेगी। मेमू पैसेंजर ट्रेन की सुविधा दोनों तरफ से यात्रियों को मिलेगी। इस ट्रेन से सहरसा से सुपौल का सफर 55 मिनट में पूरा होगा। वहीं सहरसा से मधेपुरा का सफर 45 मिनट में तय होगा। हालांकि, मधेपुरा से सहरसा पहुंचने में ट्रेन को 50 मिनट लग जाएंगे। खास बात यह कि सुपौल-सहरसा मेमू ट्रेन से 15 मिनट पहले सहरसा पहुंचकर सुपौल जिले के लोगों को पटना जाने वाली राज्यरानी एक्सप्रेस से यात्रा करने की सुविधा मिल जाएगी। वहीं सुपौल और मधेपुरा आने-जाने वाली यह पहली मेमू ट्रेन होगी।

पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि सहरसा से नई मेमू पैसेंजर ट्रेन(05279) सुबह पौने पांच बजे खुलेगी और 5.40 बजे सुपौल स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन सुबह 4.58 बजे पंचगछिया और 5.10 बजे गढ़ बरुआरी स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में सुपौल से नई पैसेंजर ट्रेन(05280) सुबह 6.05 बजे खुलेगी और सात बजे सहरसा जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन सुबह 6.16 बजे गढ़ बरुआरी और 6.28 में पंचगछिया स्टेशन पहुंचेगी।

सहरसा से नई मेमू पैसेंजर ट्रेन(05251) दिन के साढ़े 12 बजे खुलेगी और मधेपुरा दोपहर 1.15 बजे पहुंचेगी। ट्रेन दिन के 12.38 बजे कारु खिरहरी, 12.44 में बैजनाथपुर और 12.52 बजे मिठाई हॉल्ट पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन(05252) मधेपुरा से दोपहर 2.40 बजे खुलेगी और साढ़े तीन बजे सहरसा जंक्शन पहुंचेगी।

सहरसा-फारबिसगंज डेमू 16 से 20 मिनट बाद खुलेगी

सहरसा-फारबिसगंज डेमू पैसेंजर ट्रेन(05516) 16 जुलाई से 20 मिनट पहले सहरसा से खुलेगी। यह ट्रेन सुबह 6.45 की बजाय सुबह 7.15 बजे सहरसा से फारबिसगंज के लिए खुलेगी। समय में बदलाव किए जाने के बाद भी यह ट्रेन अपने पूर्ववत समय दिन के 11 बजे फारबिसगंज स्टेशन पहुंचेगी। ऐसे में इस ट्रेन से सफर में 16 जुलाई से यात्रियों के 20 मिनट समय बचेंगे। ईसीआर के सीपीआरओ ने कहा कि सहरसा-सुपौल नई मेमू ट्रेन के 16 जुलाई से परिचालन के कारण सहरसा-फारबिसगंज डेमू पैसेंजर ट्रेन(05516) के सहरसा-सरायगढ़ के बीच परिचालन समय में बदलाव किया जा रहा है। सरायगढ़ और फारबिसगंज के बीच ट्रेन की समय सारिणी में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वह पूर्ववत रहेगी। उन्होंने कहा कि नई समय सारिणी मुताबिक ट्रेन 05516 सहरसा से सुबह 7.05 बजे खुलेगी और 7.14 में सहरसा कचहरी, 7.20 में नंदलाली, 7.26 में पंचगछिया, 7.33 में गढ़ बरुआरी, 7.39 में वीणा एकमा, 7.44 में सुंदरपुर, 7.50 में सुपौल, 8 बजे कदमपुरा, 8.09 में थरबिटिया, 8.18 में बैजनाथपुर अन्दौली, 8.24 में चांद पीपर और साढ़े आठ बजे सरायगढ़ स्टेशन पहुंचेगी।

ट्रेन दोपहर 2.47 बजे मिठाई, 2.55 में बैजनाथपुर और 3.01 में कारु खिरहरी पहुंचेगी। बीच के स्टेशन या हॉल्ट पर ट्रेन का ठहराव एक-एक मिनट दिया गया है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए सहरसा-सुपौल और सहरसा-मधेपुरा अप डाउन एक-एक जोड़ी नई मेमू पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन 16 जुलाई से करने का निर्णय लिया है। मेमू ट्रेनों के परिचालन में समस्तीपुर-सहरसा के बीच चल रही मेमू ट्रेन के रैक का उपयोग किया जाएगा। सहरसा-सुपौल अप डाउन नई मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन पहले से चल रही समस्तीपुर-सहरसा अप डाउन मेमू ट्रेन 05275/76 के रैक से ही किया जाएगा। ठीक उसी तरह से सहरसा-मधेपुरा अप डाउन नई मेमू ट्रेन का परिचालन समस्तीपुर-सहरसा अप डाउन मेमू ट्रेन के रैक 05243/44 से किया जाएगा। देखा जाय तो रेलवे ने सहरसा-समस्तीपुर के बीच चल रही मेमू ट्रेन के रैक को नया नंबर देकर सुपौल व मधेपुरा के लिए चलाने का निर्णय लिया है।

संक्षिप्त समाचार

चेतावनी स्तर से मात्र 139 सेंटीमीटर नीचे इस्माईलपुर-बिंद टोली में गंगा नदी का जलस्तर

भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी। इस्माईलपुर-बिंद टोली में गंगा नदी चेतावनी स्तर 30.60 मीटर से 139 सेंटीमीटर नीचे बह रही है। मिली जानकारी के अनुसार पिछले बारह घंटे में गंगा के जलस्तर में 28 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि होने पर दियारा किसान अगले कुछ दिनों में गांव की लोर लौटने लगेंगे। फिलहाल स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। गुरुवार की सुबह इस्माईलपुर-बिंद टोली में गंगा नदी 29.21 मीटर पर बह रही है। खतरे का निशान 31.60 मीटर है। दूसरी ओर मदरौनी में कोसी नदी पिछले 12 घंटे में 19 सेंटीमीटर की वृद्धि के साथ 28.51 मीटर पर बह रही है।

नए कानूनों को लेकर पुलिस ने छात्राओं के साथ की चर्चा

गया, एजेंसी। देश भर में एक जुलाई से लागू हुए नए आपराधिक कानूनों को लेकर पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को शेरघाटी के प्रोजेक्ट कन्या स्कूल में छात्राओं और शिक्षकों के साथ ताजा बदलावों को लेकर चर्चा की। शेरघाटी के थानेदार अजीत कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय दंड विधान की जगह अब भारतीय न्याय संहिता ने ले ली है। इसके साथ ही अपराध की धाराएं भी बदल गई हैं। उन्होंने कहा कि अपराधिक कांडों की जांच में भी कई तब्दीलियां की गई हैं, और अनुसंधान अधिकारी को ज्यादा जवाबदेह बनाया गया है। चर्चा में शामिल शेरघाटी थाने की सब इंस्पेक्टर कुमारी शिवानी ने महिलाओं से जुड़े अपराध पर फोकस करते हुए छात्राओं को छेड़छाड़, जबरदस्ती और दूसरे किस्म के अपराधों की बारीकियां तथा इससे निपटने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने ऐसे अपराधों में बदमाशों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाइयों से भी छात्राओं को अवगत कराया। चर्चा में प्रोजेक्ट कन्या इंटर स्कूल के हेडमास्टर राजकुमार सिंह के अलावा कई शिक्षक और शिक्षिकाएं भी मौजूद थीं।

एक पखबारा से उखड़कर सड़क पर गिरा है पेड़, जिम्मेदार मौन

गया, एजेंसी। शहर के चांदचौरा-देवी मंडप स्थान तीन मुहान से पुलिस लाइन की ओर गुजरी पक्की सड़क पर पिछले एक पखबारा से एक बड़ा वृक्ष उखड़कर सड़क पर गिरा है। लेकिन इसे एभी तक हटाने का कोई कारगर प्रयास नहीं किया गया। इसके कारण सड़क से होकर आवाजाही में लोगों के बीच परेशानी बढ़ी हुई है। शहर के पुलिस लाइन मुख्य सड़क पर पीपल का विशाल वृक्ष का बड़ा हिस्सा पड़े रहने से आवाजाही में जहां लोगो को परेशानी हो रही है वहीं दुर्घटना का भी भय बना हुआ है। पुलिस लाइन रोड से प्रति दिन स्कूली वाहनों के अलावे बड़ी संख्या में बड़ी व छोटी वाहन गुजरती है। सड़क पर बड़ा पेड़ के गिरे रहने से लोग काफी संभलकर सड़क पार कर रहे है। मोहल्ले वासियों ने बताया कि तेज हवा की चपेट में आने से विशाल पेड़ उखड़कर सड़क जा गिरा था। उस समय पूरे सड़क अवरुद्ध हो गया था। कुछ टहनियों को हटाने के बाद आवागमन के लिए कुछ भाग खुला। लेकिन अभी भी सड़क का काफी भाग अवरुद्ध है। लोगो ने डीएम, नगर आयुक्त सहित डीएफओ से सड़क पर पड़े पेड़ के अवशेष को जल्द से जल्द हटवाने का पहल तेज कराने की मांग की है।

वृक्ष लगाओ सभी रोगों से मुक्ति पाओ : संत त्रिवेणी दास

हाजीपुर/सोनपुर, एजेंसी। सोनपुर में पर्यावरण बचाने के मद्देनजर विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से अभियान चला कर जगह-जगह पौधारोपण किया जा रहा है। संत त्रिवेणी दास गुरूवार को अपने सहयोगियों के साथ हरियाणा से सोनपुर पहुंचे। उन्होंने यहां के प्रसिद्ध हरिहरनाथ मंदिर के पूरब काली घाट पर पौधारोपण कर श्रद्धालुओं को पर्यावरण बचाने का संकल्प दिलाया। संत त्रिवेणी दास ने अपने संबोधन में मानव जीवन में पर्यावरण की महता पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। ताकि हमारे आसपास हरियाली से वातावरण स्वच्छ रहे और हम स्वच्छ वातावरण में सांस ले सकें। उन्होंने वृक्ष लगाओ वृक्ष बचाओ और सभी रोगों से मुक्ति पाओ का लोगों को संदेश दिया। इस अवसर पर समाजसेवी लालबाबू पटेल समेत अनेक सहयोगी व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।

गंगा का बढ़ने लगा जल स्तर, कटाव से किसान परेशान

मुंगेर में महेशपुर और टिकारामपुर में बहाव तेज, प्रशासन के कार्रवाई की मांग

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर में एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। गुरुवार को आपदा विभाग की ओर से जारी किए गए आंकड़े के अनुसार गंगा का जल स्तर दोपहर दो बजे तक 35.37 सैंटीमीटर दिखाया गया, जबकि खतरे का स्तर 39.33 सैंटीमीटर है और वॉर्निंग का स्तर 38.33 सैंटीमीटर है। फिलहाल गंगा का जल स्तर खतरे के निशान से मात्र 3.96 सैंटीमीटर ऊपर है। वहीं वॉर्निंग लेबल से मात्र 2.96 सैंटीमीटर नीचे गंगा बह रही है। गंगा का जल स्तर अत्यधिक बढ़ने के कारण तेज धार रहने की वजह से अब दियारा क्षेत्र में किसानों के जमीन भी कटने लगे हैं। गंगा में तेज धार बहने के कारण सदर प्रखंड क्षेत्र में दो जगहों पर बीते दो दिनों से कटाव शुरू हो गया है। दियारा में कटाव होने के कारण किसानों के चेहरे पर मायूसी आने लगी हैं। किसानों का कहना हा कि जिला प्रशासन की ओर से ऐसे समय में जल्द से जल्द संज्ञान लेना चाहिए। इससे कि हम किसानों के खेत गंगा में जाने से बच सकेंगे।

महेशपुर और टिकारामपुर में हो रहा कटाव

तारापुर दियारा पंचायत के महेशपुर घाट पर अवैध मिट्टी खनन के कारण गड्ढा बना हुआ है। इसके साथ ही लगातार कटाव होने से किसानों की जमीन गंगा में समा रही है। इस दौरान चंडिका स्थान टिकारामपुर गंगा घाट पर देखा गया कि खेत में लगी फसल गंगा में समा रही है। किसान कटीमन सिंह, सुनील सिंह, अशोक मंडल, सुनील कुमार, दिनेश मंडल, सरोज सिंह ने बताया कि दो दिनों से गंगा की तेज धार बहने के कारण फसल लगी जमीन कट कर गंगा में समा रही है।

इस कारण हम सभी किसान परेशान है। किसानों ने सांसद और जिला प्रशासन से जल्द इस पर कोई कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं फोन पर जिला आपदा प्रभारी कुमार अभिषेक ने बताया कि मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है। जल्द ही इस पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा कटाव को रोकने के लिए भी कार्य किया जाएगा।

बुरा फंसा जोधपुर एम्स का छात्र हुकमा राम, सॉल्वर गिरोह का है मेंबर

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। नीट परीक्षा धांधली मामले में राजस्थान में कार्रवाई हई है। प्रयागराज के परीक्षार्थी राज पांडेय की जगह परीक्षा देने वाले सॉल्वर हुकमा राम को सस्पेंड कर दिया गया है। हुकमा राम को मुजफ्फरपुर में डीएवी स्कूल सेंटर पर डमी परीक्षार्थी के रूप में हॉल में घुसने से पहले पकड़ लिया गया था लेकिन स्कूल और पुलिस की शिथिलता से वह फरार होने में कामयाब हो गया। सॉल्वर हुकमा राम को जोधपुर एम्स ने निलंबित कर दिया है। वह जोधपुर एम्स में एमबीबीएस तीसरे वर्ष का छात्र है। हुकमा राम के खिलाफ नीट परीक्षा में फर्जीवाड़ा को लेकर मिठनपुरा थाने में केस दर्ज है। एसआई मिथुन कुमार ने जोधपुर एम्स को एफआईआर की कॉपी के साथ पत्र दिया था। इसमें फरार चल रहे हुकमा की गिरफ्तारी के लिए जोधपुर एम्स से सहयोग मांगा था। जोधपुर एम्स के सूत्रों ने उसके निलंबित किए जाने की पुष्टि की है। जोधपुर एम्स में अगले 26 जुलाई से परीक्षा होनी है। इससे पहले ही हुकमा राम को निलंबित किया गया है। हुकमा राम राजस्थान के बाड़मेर जिले के भियंड थाना शिव चौकी इलाके के अमर सिंह के धानी मोहल्ले का निवासी है। नीट परीक्षा में सॉल्वर के रूप में परीक्षा देने का सौदा होने के बाद बीते दो मई से वह जोधपुर एम्स में अनुपस्थित था।

बायोमेट्रिक जांच में वह पकड़ा गया

नीट परीक्षा में बीते पांच मई को हुकमा राम मिठनपुरा के मालीघाट स्थित डीएवी सेंटर पर प्रयागराज के परीक्षार्थी राज पांडेय की जगह शामिल हुआ था। एडमिट कार्ड पर नाम राज पांडेय और तस्वीर हुकमा राम की लगी थी। बायोमेट्रिक जांच में वह पकड़ा गया। हालांकि, नीट की महत्ता को देखते हुए उसे परीक्षा देने से नहीं रोका गया। परीक्षा समाप्त होने के बाद हुकमा राम से पूछताछ की गई, तब हकीकत सामने आई। उसने कबूलनामा दिया, जिसमें राज पांडेय की जगह परीक्षा देने की बात स्वीकारी।

हुकमा की गिरफ्तारी पर रोक

जोधपुर एम्स के आरोपित छात्र हुकमा राम की गिरफ्तारी पर कोर्ट से रोक लगी है। उसने कोर्ट में बीते चार जुलाई को अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल की थी, जिसमें 26 जुलाई से एम्स में परीक्षा का हवाला दिया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी का वारंट भी कोर्ट से ले लिया था। लेकिन, उसकी अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उसके खिलाफ किसी तरह की सख्त कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया था।

ओएसिस स्कूल के प्राचार्य समेत चार गए बेऊर जेल

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई रिमांड पूरी होने के बाद हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्राचार्य एहसानउल हक, उपप्राचार्य इम्तियाज, पत्रकार जमालुउद्दीन और अमर कुमार को गुरुवार को सीबीआई की विशेष न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पेश किया गया। सीबीआई के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी हर्षवर्धन सिंह ने चारों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में लेते हुए बेऊर जेल भेज दिया। पेपर लीक मामले में सीबीआई की दिल्ली की टीम ने इन चारों आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इन्हें दिल्ली स्थित सीबीआई कार्यालय में पूछताछ के लिए ले जाया गया था। पूछताछ पूरी होने और रिमांड अवधि समाप्त होने पर सीबीआई ने चारों को विशेष कोर्ट में पेश किया था, जहां से इन्हें बेऊर जेल भेज दिया गया।

गोली लगने से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बक्सर, एजेंसी। बक्सर के औद्योगिक थाना क्षेत्र के सारीमपुर मोहल्ले में दो दिन पहले गोली लगने से घायल युवक की मौत गुरुवार की शाम इलाज के दौरान हो गई। युवक का इलाज पटना में चल रहा था। वहीं मामले में दो नामजद और कई अज्ञात अभियुक्तों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर लिया गया है। हालांकि परिजनों का कहना है कि गांव में उनका कोई दुश्मन नहीं है। इसलिए किसने गोली मारी कुछ पता नहीं।

मृतक के पिता खालिद शाह ने बताया कि उनका बेटा मजहर उर्फ सोनू की हत्या घर लौटते वक्त कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि वह प्रशासन न्याय की मांग करते है। हालांकि हत्या के संभावित कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। एसडीपीओ धीरज कुमार ने कहा कि परिजनों के बयान पर दो नामजद अभियुक्तों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई गई है। इसमें एक को मुख्य अभियुक्त और दूसरे को सहयोगी बताया गया है।

इसके अलावा कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। माना जा रहा है कि वारदात लड़की से जुड़े मामले को लेकर है। हालांकि जांच पूरी होने तक कुछ भी स्पष्ट रूप से कहना मुश्किल है। इधर शव के बक्सर पहुंचने के बाद पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों के हवाले कर दिया गया है।

जनसंख्या दिवस पर निकाली रैली

मोतिहारी, एजेंसी। जन संख्या नियंत्रण दिवस पर गुरुवार से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन पखवाड़ा शुरू किया गया।इस अभियान को सफल बनाने के लिय सुबह में सदर अस्पताल परिसर से ए एन एम, जी एन एम व सदर अस्पताल के स्टाफ के द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी। प्रचार रथ को डी एम ने हरी झंडी दिखा कर विदा किया। इस अभियान का उद्घाटन सीएस डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने सदर अस्पताल मदर चाइल्ड केयर यूनिट में किया । मौके पर ए सी एम ओ डॉ. श्रवण पासवान,डी एस डॉक्टर अवधेश कुमार, डी आई ओ डॉक्टर शरद चंद्र शरण सदर अस्पताल प्रबंधक कौशल दूबे, डी सी एम नंदन झा राजेश पांडेय, रोहित राज, विवेक कुमार , पप्पू राउत सहित अन्य थे। इस मौके पर नंदन झा ने बताया कि दो हजार बंध्याकरण करने का टारगेट दिया गया है। इसके अलावा पुरुष नसबंदी है। इस अभियान को सफल करने के लिए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के गांव के लोगों में प्रचार रथ से जागरूक किया जाएगा। आंगन वाणी केंद्र पर सास बहू सम्मेलन भी हुआ है। आज से बंध्याकरण शुरू कर दिया गया है।

दर्जा नहीं तो पैकेज चाहिए, स्पेशल केस है बिहार

पटना, एजेंसी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज देने की जदयू की पुरानी मांग फिर से जोर पकड़ी है। देश के बजट के पूर्व जदयू के वरिष्ठ नेताओं ने केन्द्र से यह अपेक्षा व्यक्त की है कि वह बिहार को विशेष दर्जा या विशेष पैकेज दे ताकि बिहार विकास की अपनी रफ्तार और तेज कर

बजट से पहले जेडीयू ने बढ़ाया दबाव

सके। देश के विकसित राज्यों के समकक्ष खुद को खड़ा कर सके। विशेष राज्य का दर्जा जेडीयू की यह पुरानी मांग है जिसे बीजेपी अब तक खारिज करती आ रही है। ज्ञात हो कि संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलने वाला है। इस सत्र के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2024-25 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। 29 जून को दिल्ली में हुई जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी यह मांग उठी थी। बाकायदा जदयू ने इसको लेकर प्रस्ताव पारित किया जिसमें कहा गया था कि विशेष राज्य का दर्जा अथवा विशेष पैकेज मिलने पर बिहार के विकास की गति और तेज होगी। वहीं, अब जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी और ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने यह मांग दोहरायी है। जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी ने नालंदा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज की आवश्यकता है। इसका कारण है कि बिहार के पास प्राकृतिक संसाधनों की कमी है। इसके ऐतिहासिक और भौगोलिक कारण हैं। हमारे यहां न तो खदानें हैं और ना ही समुद्री तट। बिहार अपने सीमित संसाधनों के बलबूते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में तेजी से विकास कर रहा है। नीतीश कुमार ने यह दिखा दिया है कि कम संसधान के बावजूद हमारा राज्य तरक्की की रफ्तार के मामले में किसी विकसित राज्य से कम नहीं हैं। इसके बावजूद बिहार गरीब बना हुआ है। यही कारण है कि हमलोग विशेष दर्जा अथवा पैकेज की मांग कर रहे हैं। यही हमारी मांग का आधार है। बिहार को केंद्र सरकार से विशेष मदद की जरूरत है।

लंबे समय से रही है मांग : ग्रामीण विकास मंत्री ने पटना में गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा है कि बिहार को विशेष दर्जा देने की मांग लंबे समय से रही है। यह मांग सिर्फ सत्ता पक्ष की नहीं बल्कि, जनता की रही है। बिहार सरकार ने भी विधानमंडल के दोनों सदनों से इसका प्रस्ताव पारित कर तत्कालीन यूपीए सरकार को भेजा था। यूपीए सरकार ने इसको नजर अंदाज कर दिया था। पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार पर विशेष ध्यान रहा है। पहले भी बिहार को मदद मिली है। हमलोगों को पूरी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री बिहार की तरक्की के लिए विशेष दर्जा या विशेष पैकेज देंगे।

राजगीर में हवाई अड्डा निर्माण की कवायद फिर शुरू

नालंदा, एजेंसी। पर्यटक नगरी राजगीर में हवाई अड्डा बनाने की कवायद फिर से शुरू की गई है। कैबिनेट की ओर से प्रस्ताव पारित होने के बाद महादेवपुर और नालंदा विश्वविद्यालय के बगल में पहले से प्रस्तावित हेलीपैड बनाने की कवायद जिला प्रशासन ने शुरू किया था। उस जमीन और आसपास की जमीन की पैमाइश भी राजगीर अंचल की ओर से कराई गई थी, लेकिन उस स्थल की अपेक्षित लंबाई नहीं होने के कारण दूसरे जगह की तलाश अब शुरू की गई है। सीओ अनुज कुमार ने बताया कि हवाई अड्डा निर्माण के लिए 11 हजार फीट लम्बाई वाली जमीन की आवश्यकता है। लेकिन महादेवपुर और नालंदा विश्वविद्यालय के समीप के हेलीपैड की जमीन की लंबाई मात्र 7500 फीट है, जो हवाई अड्डा के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रखंड के मेयार और बढ़ौना मौजा के अलावे बरनौसा और लोदीपुर मौजा में भी स्थल का चयन किया गया है। अंचल अमीन से इसकी पैमाइश भी कराई गई है।

डीएम के निरीक्षण बाद ही हवाई अड्डा के चयन पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा : नए प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण अपर समाहर्ता मंजीत कुमार, एसडीओ कुमार ओमकेश्वर, भूमि सुधार उपसमाहर्ता उपेंद्र सिंह ने किया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को डीएम शशांक शुभंकर हवाई अड्डा के प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण करेंगे। डीएम के निरीक्षण बाद ही हवाई अड्डा के चयन पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेयार और बढ़ौना मौजा के बीच 550 एकड़ जमीन का चयन किया गया है। यह प्रश्नगत भूमि 3.33 किलोमीटर लंबी और 709 मीटर चौड़ी है। इस प्रस्तावित हवाई अड्डा की लंबाई 11000 फीट और चौड़ाई 2000 फीट है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

अनुमंडल पदाधिकारी ने क्षतिग्रस्त पुलिया व बांध का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

अनुमंडल पदाधिकारी सिकरहना (ढाका) निशा ग्रेवाल के द्वारा ढाका प्रखंड के कई पंचायतों निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सर्वप्रथम करमावा पंचायत स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय करमावा के निकट क्षतिग्रस्त पुलिया का निरीक्षण किया गया। यहां से आगे बढ़कर फुलवरिया पंचायत स्थित बैरगनिया, सीतामढ़ी को जोड़ने वाला फुलवरिया घाट निर्माणधीन पुल का भी निरीक्षण किया गया। एसडीओ के द्वारा बलुआगुआबाड़ी पंचायत के गुआबाड़ी के निकट ललबेकिया नदी से निकला कैनाल ड्रॉप गेट का भी निरीक्षण किया गया। कैनाल ड्रॉप गेट गुआबाड़ी से बलुआ चौक के बीच अवस्थित लगभग 3 किलोमीटर लंबे बांध का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय अनुमंडल पदाधिकारी के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी ढाका, अंचलाधिकारी ढाका,सहायक अभियंता और कनीय अभियंता जल संसाधन विभाग उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा बांध की मजबूती हेतु कई आवश्यक निर्देश दिए गए। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि जहां भी बांध क्षतिग्रस्त है वहां पर तुरंत मिट्टी डलवाई जाए और लगातार बांधों पर पैनी नजर रखी जाए। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा पानी बढ़ने की स्थिति में तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया गया।

रामचंद्रपुर-हरखुआ सड़क पर जान जोखमी में डाल कर चल रहे राहगीर

बीएनएम। गोपालगंज

सदर प्रखंड के हरखुआ से रामचंद्रपुर जाने वाली मुख्य सड़क पर अपने जान को जोखमी में प्रतिदिन हजारों लोग डाल आ जा रहे है।यह सड़क आज से 5 साल से जर्जर स्थिति में है।इस सड़क से जिला मुख्यालय में जाने के लिए कम दूरी तय कर लोग पहुंचते हैं।

जिला मुख्यालय से निकलकर हरखु आ,पै ठानपट्टी,जगमलवा,एकडेरवा,रामचंद्रपुर,हरपुर, गवदरी,धतिवना जैसे 8 प्रमुख गावों के साथ दर्जनों छोटे छोटे टोले मुहल्ले इससे प्रभावित है।इस मार्ग से गोपालगंज से सीवान जाने के लिए शॉक कट रास्ते है। कम समय में सीवान से गोपालगंज तथा गोपालगंज सिवान इस सड़क से पहुंचा जा सकता है।इस सड़क पर बरसात के दिनों मे तो और भी इसकी स्थिति बद से बदतर स्थिति मे हो जाती है। **गोपालगंज**। जगह जगह गढ़े में जल जमाव कीचड़ भर जाते है।जिससे पैदल चलना राहगीरो को परेशानी होती है।इस पर चार पहिया,दो पहिया वाहन के साथ साइकिल सवार को पैदल चलना भी काफी मुश्किल हो रहा है।सड़क गढ़े में तब्दील एवं जर्जर हो जाने से आए दिन रोज दुर्घटना होती रहती है।पर जब चुनाव आता है,तो आम जनता को लॉलीपॉप दिखा कर वोट तो ले लिया जाता है और जब वोट मिल जाता है तो जीत कर जनप्रतिनिधि के द्वारा आम जनता को ही ठगने का काम शुरू किया जाता है।इस मुख्य जर्जर सड़क से लगभग डेढ़ लाख की आबादी पुरी तरह प्रभावित है।

कैबिनेट : बिहार के चार शहरों में मेट्रो ट्रेन के परिचालन सहित 48 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार देर शाम सम्पन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के अन्तर्गत राज्य के चार शहरों मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा एवं भागलपुर में मेट्रो रेल परियोजना का विस्तृत परिचालन योजना एवं वैकल्पिक विश्लेषण प्रतिवेदन तैयार करने के लिए राइट्स लिमिटेड को नामांकन के आधार पर चयन करने एवं परामर्शी शुल्क के रूप में रुपये 702.10 लाख (सात करोड़ दो लाख दस हजार रुपये) व्यय की स्वीकृति सहित कुल 48 एजेडों पर मुहर लगाई गई। कैबिनेट बैठक के बार में सचिव एस सिदार्थ ने बताया कि गृह विभाग (आरक्षी शाखा) के अन्तर्गत बिहार पुलिस के अन्तर्गत गठित स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस में बहाल किए गए भारतीय सेना के सेवानिवृत्त सैनिकों के कुल कार्यरत बल 3,257 की अनुबंध अवधि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिये विस्तारित करने की स्वीकृति दी गई। वित्त विभाग के अन्तर्गत षष्ठम् केन्द्रीय वेतनमान में वेतन/पेंशन प्राप्त कर रहे राज्य सरकार के सरकारी सेवकों/पेंशनभोगियों/ पारिवारिक पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ता/राहत की स्वीकृति दी गई। वित्त विभाग के ही तहत पंचम केन्द्रीय वेतनमान में वेतन/पेंशन प्राप्त कर रहे राज्य सरकार के सरकारी सेवकों/पेंशनभोगियों/ पारिवारिक पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ता/राहत की स्वीकृति दी गई। उद्योग विभाग के अन्तर्गत मेसर्स पंचकन्या फूडस प्रा लिमिटेड, सिकन्दरपुर औद्योगिक क्षेत्र, बिहटा, पटना को बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली-2016 के नियम-7(2)(पअ) के आलोक में वित्तीय प्रोत्साहन क्लीयरेंस की स्वीकृति दी गई। ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत पूर्ववर्ती बिहार राज्य विद्युत बोर्ड के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों का दिनांक-31.10.2012 तक की अवधि में अनफण्डेड टर्मिनल बेनिफिट दायित्व के विरूद्ध वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित देय वार्षिक दायित्व के भुगतान के लिए 757.63 करोड़ (सात सौ संतावन करोड़ तिरसठ लाख) रुपये बिहार स्टेट पावर (हो.) कम्पनी लिमिटेड को तीन किश्तों में उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई। ऊर्जा विभाग के ही तहत राज्य सरकार के कार्यालयों में 20 किलोवाट या उससे कम स्वीकृत भार वाले स्मार्ट प्री-पेड मीटर के अधिष्ठापन की प्रक्रिया निर्धारण की स्वीकृति दी गई। गृह विभाग (आरक्षी शाखा) के अन्तर्गत बिहार पुलिस चालक संवर्ग (संशोधन) नियमावली, 2024 के गठन की स्वीकृति दी गई। जल संसाधन विभाग के अन्तर्गत प्रवीण कुमार को तत्कालीन सहायक अभियंता, शीर्ष कार्य प्रमंडल, वाल्मीकिनगर सेवा से बर्खास्त को अस्वीकृत किया गया है। जल संसाधन विभाग के ही तहत जल-जीवन-हरियाली अभियान अंतर्गत टर्न-की आधार पर भभुआ एवं मोहनियॉ शहरों के लिए सतही जल का उपयोग करते हुए पेयजल उपलब्ध कराने के कार्य के लिए 198.58 करोड़ रुपये (एक सौ अन्ठानवे करोड़ अन्ठावन लाख रुपये) की प्रशासनिक एवं व्यय की स्वीकृति दी गई। नगर विकास एवं आवास विभाग के ही तहत सीडब्लूजेसी संख्या 20649/2021 में उच्च न्यायालय पटना द्वारा दिनांक 15.05.2024 को पारित आदेश के अनुपालन में नगर प्रबंधकों के 163 रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति होने तक संविदा के आधार पर नियोजन की स्वीकृति दी गई। नगर विकास एवं आवास विभाग के ही तहत उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा निदेशों के अनुपालन के तहत मैन्युअल सीवर सफाईकर्मी की सीवरेज कार्य (मैनहोल/सेप्टिक टैंक) के दौरान सीवर (मैनहोल/सेप्टिक टैंक) से होने वाली मृत्यु के कारण पीड़ितों के आश्रितों को सरकारी विद्यालय में नामांकन, कौशल प्रबंधन से संबंधित प्रोग्रामों में उनका नामांकन, सरकारी छात्रवृत्ति के साथ ही मृत्यु होने पर 30.00 लाख (तीस लाख रुपये) एवं विकलांगता की स्थिति में विकलांगता की गंभीरता के आधार पर 10.00 लाख (दस लाख रुपये) तथा स्थाई विकलांगता पर 20.00 लाख (बीस लाख रुपये) मुआवजा के राशि के व्यय की स्वीकृति दी गई। परिवहन विभाग के अन्तर्गत बिहार राज्य में आम नागरिकों को सुलभ एवं सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के लिए नयी बसों के क्रय के लिए 73.20 करोड़ (तिहत्तर करोड़ बीस लाख रुपये) की राशि की स्वीकृति दी गई। परिवहन विभाग के ही तहत बिहार के प्रमुख शहरों पटना, मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, दरभंगा एवं पूर्णियां शहरों के लिये कुल 400 बसों की व्यवस्था हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूर्व से स्वीकृत ''पीएम ई-बस सेवा'' योजना का कार्यान्वयन के लिए 1032.81 (एक हजार बत्तीस करोड़ इक्यासी लाख) रुपये की स्वीकृति दी गई।

पशु अस्पताल बनेगा मॉडल अस्पताल

बीएनएम। बेतिया

मझौलिया प्रखंड मुख्यालय का जर्जर पशु अस्पताल को मॉडल पशु अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी जानकारी पशुपालन मंत्री सह स्थानीय विधायक रेणु देवी के प्रतिनिधि संदीप कुमार श्रीवास्तव ने देते हुए बताया कि जिला पशु चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सक से बुलाकर मॉडलिंग पशुअस्पताल बनाने पर प्रारूप के बारे में विचार विमर्श किया गया है। उन्होंने बताया कि मंत्री महोदय के द्वारा निर्देशित किया गया है कि अविलंब इसका प्रारूप तैयार कर कर प्रकरण के अनुरूप कार्य को शुरू किया जाए।उन्होंने बताया कि प्रखंड मुख्यालय समेत विभिन्न पंचायत में स्थित पशु अस्पतालों मैं समुचित संसाधन उपलब्ध कराने के विषय पर भी चर्चा की गई है।जहां मवेशी पलकों को समुचित संसाधन उपलब्ध होगा इसके लिए विभाग द्वारा पशुपालकों को मिलने वाली संसाधन के विषय में जन जागरूकता फैलाने का भी निर्देश दिया गया है ताकि मवेशी पलकों को समुचित लाभ मिल सके।

जनता दरबार में 36 आवेदनकर्ताओं की सुनी गयी समस्याएं

बीएनएम। मोतिहारी

समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 36 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। इस अवसर जिला पंचायत राज पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा-सह-विशेष कार्य पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार सरकार की गलत शिक्षा नीति से पश्चिम चंपारण के छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक परेशान ?

बीएनएम। बेतिया

बिहार सरकार की गलत शिक्षा नीति इस बार सरकार को ले डूबेगी इस तरह की बात आम लोगों से सुनने को मिल रहा है। इस बात से कदापि इनकार नहीं किया जा सकता। छात्र-छात्राओं को पढ़ाई अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार करनी होती है लेकिन बिहार शिक्षा बोर्ड निर्णय लेती है कि वे कहां पढ़ेंगे। जिसके कारण मैट्रिक पास छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है । जिससे उन में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। 11 वीं में नामांकन के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरवारा गया था। जिसमें विद्यार्थियों को 10 विद्यालयों का ऑप्शन देना था कि वह कहां पढ़ना चाहते हैं। इस स्थिति में कई छात्रों ने 10 विद्यालयों का नाम लिखते समय अज्ञानतावश अपने पोषक क्षेत्र एवं आसपास के प्रखंडों के प्लस टू विद्यालयों का नाम दिया और एक दो कम हुआ तो उन लोगों ने 60 से 80 किलोमीटर दूर विद्यालयों का नाम भर दिया। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा नामांकन की सूची जारी करते समय उनके निवास स्थान और आर्थिक स्थिति का ख्याल नहीं रखा गया। जिसके कारण बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा कई छात्र-छात्राओं को जिला मुख्यालय बेतिया से 60 से 80 किलोमीटर दूर गंडक नदी उस पर ठकराहां, मधुबनी,पिपरासी एवं भितहा आदि ब्लॉक के प्लस टू के विद्यालयों में इंटर में नामांकन करने हेतु सूची जारी कर दी गई। जो कहीं से भी उचित नहीं है। साथ ही बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा यह भी आदेश जारी कर दिया गया है कि 14 जुलाई तक सूची के अनुसार जारी विद्यालयों में नामांकन ले लेना है। उसके बाद उनके कठिनाइयों पर ध्यान दिया जाएगा। यह आदेश भी जारी करते समय यह ध्यान नहीं दिया गया कि वर्तमान समय में पिछले एक सप्ताह से गंडक नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और नदी के अगल-बगल के ब्लॉक में बाढ़ की स्थिति बढ़ गई है तथा अफरा तफरी मची हुई है। उन छात्रों की दूर दराज पढ़ने लायक आर्थिक स्थित है कि नहीं इसको भी नजरअंदाज किया गया। यहां इस मामले में अंधेर नगरी वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। उलेखनीय है कि हमेशा यह देखा गया है कि देहात क्षेत्र के रहने वाले स्टूडेंट शहर में पढ़ने के लिए जाते हैं जबकि इस वर्ष पश्चिम चंपारण जिला मे यह देखा जा रहा है कि शहर के बच्चो को इंटर में पढ़ने के लिए देहाती इलाकों में पढ़ने के लिए जना पढ़ेगा। यह कैसी नीति शिक्षा विभाग ने बना दिया है। इस विंदू पर सरकार और विभाग को एक बार सोचने और समझने की जरूरत है। नही तो इस बार सैकड़ो बच्चे और बच्चियां इंटर की पढ़ाई से वंचित रह जायेंगे और इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ सकता है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

बीडीओ रमेंद्र कुमार का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

बीएनएम। तुरकौलिया

प्रखंड परिसर स्थित सभागार भवन में शुक्रवार को विदाई समारोह आयोजित कर बीडीओ रमेंद्र कुमार का विदाई किया गया। विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन प्रखंड कार्यालय के कर्मियों एवम् प्रखंड शिक्षक संघ द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का अध्यक्षता शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष अरविन्द कुमार पाण्डेय एवम् पंचायत सचिव गौरव प्रधान ने किया। जहां सभी शिक्षकों एवम् सभी पंचायत सचिव ने बीडीओ रमेंद्र कुमार को बुके व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्री पाण्डेय कहा कि हम सभी शिक्षक जब भी किसी कार्य को लेकर बीडीओ साहब से मिलते थे तो हमलोगों के कामों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निष्पादन करते थे। इतना ही नही जब भी कोई फरयादी अपना फरियाद लेकर प्रखंड कार्यालय पहुंचते थे। उनका समस्या सुनते हुए तुरंत आन द स्पॉट हल करने का प्रयास करते थे। एक पदाधिकारी के रूप में इनका जो योगदान रहा है। यहां के लोगों के दिलों पर एक अमिट छाप के रुप में हमेशा याद रहेगा। हम लोगों ने देखा है कि कोई भी काम को बासी नही छोड़ते हैं। आफिस टाइम समाप्त होने के बाद भी देर शाम तक अपने कार्यालय में बैठकर फाइलों का निपटारा करते रहते थे। यही इनका तकरीबन रोजाना का रूटीन रहता था। नौकरी में तबादला होना एक सच्चाई है। लेकिन इनके जाने के बाद इनके कार्यशैली को लेकर दशकों तक तुरकौलिया प्रखंड में चर्चा होते रहेगा। मधुर वाणी और सरल व्यवहार के मालिक होने के कारण इनके व्यक्तित्व और लोगों से से अलग था। यही कारण है कि इन्हें विदा करते हुए सभी का आंखें नम हो गई है। वही प्रखंड कर्मियों ने भी कहा कि अधिकारी के रुप में कम और अभिभावक के रुप में ज्यादा नजर आते थे। अपने मातहत कर्मियों को हमेशा पुरी इमानदारी से कार्यों को करने का नसीहत देते रहते थे। विदित हो कि बीडीओ रमेंद्र कुमार के जगह पर नए बीडीओ प्रियंका कुमारी ने योगदान दिया है। जहां नये बीडीओ के रूप में प्रियंका कुमारी का भी स्वागत किया गया। विदाई समारोह के दौरान गौरव प्रधान, मुकेश झा, महेश सिंह, शिवनारायण राम, भूपेंद्र बैठा, रामप्रकाश प्रवीण, धर्मेंद्र कुमार, शिवकुमार यादव, रविभुषण मिश्र, नेयाज अहमद, मो0 जफर अली, प्रमोद प्रसाद, जयप्रकाश सिंह, वाहिद लतीफ, सुन्यदेव पासवान, विजय कुमार सिंह, अभिषेक कुमार, मनीष कुमार, धीरेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, अनिल कुमार सिंह आदि शिक्षक मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

कार्य में लापरवाही को लेकर एक दर्जन प्रधानाध्यापकों पर गिरी गाज

बीएनएम। तुरकौलिया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना के आदेशानुसार प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के एक दर्जन प्रधानाध्यापकों को उनके पद से हटाते हुए एचएम का प्रभार विद्यालय के वरीयतम शिक्षक को देने का आदेश दिया गया है। उक्त जानकारी डीपीओ सह प्रभारी बीईओ ने दिया है। जहां उन्होंने ने बताया है कि ई शिक्षा कोष ऐप पर विद्यार्थियों का आंकड़ा डालना था। जहां इन एचएम के द्वारा एक परसेंट ही आंकड़ा लोड किया गया है। इसी को लेकर प्रधानाध्यापकों/ प्रभारी प्रधानाध्यापकों पर कार्रवाई की गई है। जीपीएस मंझार के राजकुमार को हटा कर धर्मनाथ सिंह को, एनपीएस भैसरा के रिंकू कुमारी के जगह सकीबा खातून को, एनपीएस मुसहरी टोला चारगंहा के अरुण कुमार के जगह नेहा कुमारी को, एनपीएस बालगंगा के कुमारी संजू की जगह माला देवी को, एनपीएस मुसहरी टोला खगनी के हिमांशु कुमार की जगह सकुर आजाद को, एनपीएस रेतवा शेखटोली के रुकसाना खातून की जगह कौशर जहां को, एनपीएस हरदिया हर्जन टोली के अनिता कुमारी की जगह निर्मला देवी को, यूएमएस सोरही के मुख्तार सहनी की जगह मुकेश कुमार को, जीपीएस रेतवा उर्दू के वकील अहमद की जगह कैसर जहां को, एनपीएस परसौना के अनुराधा कुमारी की जगह सरोज कुमारी को, जीपीएस बिजुलपुर के अशोक कुमार सिंह की जगह अमितचंद्र प्रकाश को, जीपीएस चारगंहा के पंकज कुमार की जगह अख्तर अली को प्रधानाध्यापक प्राधिकृत किया गया है।

गंडक नदी के जलस्तर में फिर आई उछाल 3 लाख 42 हज़ार क्यूसेक डिस्चार्ज पहुंचा

बीएनएम। बगहा। इंडो नेपाल सीमा पर स्थित गंडक बराज में जलस्तर फिर से उछाल मार कर 3 लाख 42 हज़ार क्यूसेक डिस्चार्ज तक पहुंच चुका है। इतना जलस्तर निचले इलाके में तबाही मचाने के लिए बहुत काफी है। बतादें,नेपाल के तराई व पहाड़ी क्षेत्रों में रुक रुककर हो रही मूसलाधार बारिश से गंडक नदी के जलस्तर में भारी वृद्धि हुई है। शुक्रवार की शाम नदी में 3 लाख 42 हजार 600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया जिससे दुबारा बाढ़ आने की संभावना बढ़ गई है। इधर गंडक बराज पुल के सभी 36 फाटक खोल दिए गए हैं और नहरों में पानी सप्लाई बंद कर दिया गया है। जल स्तर में वृद्धि के बाद गंडक बराज के फाटकों आदि की देखभाल के लिए जलसंसाधन विभाग के कर्मचारियों व पदाधिकारियों को अलर्ट कर दिया गया है। अधिकारी व कर्मचारी 24 घंटे सतत निगरानी कर रहे हैं। दरअसल नेपाल के पोखरा, काठमांडू, नारायण घाट व देवघाट में भारी बारिश हो रही है लिहाजा नारायणी और उसकी सहायक पहाड़ी नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।आशंका जताई जा रही है कि देर रात गंडक नदी का जलस्तर तीन लाख 50 हजार के पार हो सकता है ।

बिचड़ा लगाने से पहले धान की पौधों का फफूंदनाशक से करें उपचार

बीएनएम। बेतिया। मझौलिया प्रखंड के माधोपुर स्तिथ कृषि विकास केंद्र में वर्षा ऋतु के दौरान धान की रोपाई की जा रही है। केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉक्टर अभिषेक प्रताप सिंह ने बताया की क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा हुई है इस मौसम का लाभ उठाते हुए, किसान भाइयों को धान की तुरंत रोपाई कर देनी चाहिए पौधों के स्वास्थ्य और उत्पादन को बढ़ाने के लिए जड़ डुबकी विधि से

फफूंदनाशक का उपयोग करके पौधों का उपचार किया जाए। केंद्र के पौधा रोग विशेषज्ञ सौरभ दूबे ने बताया कि इस विधि के अंतर्गत, उखाड़े गए धान की पौधों की जड़ों को रोपाई करने से पूर्व फफूंदनाशक में 15-30 मिनट के लिए डुबोया जाता है, जिससे पौधों को मिट्टी-जनित और पौध-जनित रोगों से बचाया जा सके।केन्द्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान ने कहा कि इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य किसानों को यह संदेश देना है कि फफूंदनाशक के उपयोग से वे अपनी फसलों को रोगमुक्त रख सकते हैं और बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत योग्य दम्पत्तियों का होगा बंध्याकरण

- शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उत्तरवारी पोखरा में परिवार नियोजन पखवाड़ा का हुआ आयोजन
- नियोजन की अस्थायी सामग्रियों के वितरण के साथ बंध्याकरण हेतु किया गया जागरूक

बीएनएम। बेतिया

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जन-समुदाय में परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उत्तरवारी पोखरा में परिवार नियोजन पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसमें जीएनएम, एएनएम, आशा के सहयोग से परिवार नियोजन की अस्थायी सामग्रियों में कंडोम, माला, छाया, कॉपर-टी, गर्भनिरोधक सूई का स्टॉल लगाया गया जहाँ स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उपस्थित लोगों को अस्थायी व स्थायी विधियों को अपनाने हेतु जागरूक किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने डॉ शाहबुद्दीन बताया कि 31 जुलाई 2024 तक 'परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, परिवार नियोजन कार्यक्रम अंतर्गत उपलब्ध सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा योग्य दम्पतियों को इच्छित सेवा प्रदान किया जा रहा है। बीसीएम समीर अमित एफपीसी प्रताप कोसायरी ने बताया कि ई-रिक्शा (सारथी रथ) के माध्यम से पंचायत के हाट बजार, महादलित टोला व अन्य स्थानों में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ई-रिक्शा पर आशा फैसिलिटेटर को प्रतिनियुक्त किया गया है। दो बच्चों के जन्म के बीच कम से कम तीन साल का अंतर जरूरी डीसीएम राजेश कुमार ने बताया कि दो बच्चों के जन्म के बीच कम से कम तीन साल का अंतर रखना चाहिए ताकि महिला का शरीर पूरी तरह से दूसरे गर्भधारण के लिए तैयार हो सके। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को भी सुधारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि नव दम्पतियों को शादी के दो साल बाद ही बच्चे के बारे में सोचना चाहिए, क्योंकि पहले जरूरी है कि पति-पत्नी एक-दूसरे को अच्छी तरह से समझें, परिवार को समझें और अपने को आर्थिक रूप से इस काबिल बना लें कि अच्छी तरह से बच्चे का लालन-पालन कर सकें, तभी बच्चा पैदा करने की योजना बनाएं। इस मौके पर डीयूएचसी चन्द्र किशोर, आरबीएसके डीसी रंजन मिश्रा, डीसीक्यूए डॉ आलोक कुमार, बीसीएम समीर, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक रिंकी, अमित अयान प्रखंड परिवार कल्याण परामर्शी पीरमल स्वास्थ्य एवं पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि, यूपीएचसी स्टाफ, एएनएम एवं आशा उपस्थित थे।

वीटीआर में मिला अति संरक्षित दुर्लभ प्रजाति का कछुआ इंडियन टेंट टर्टल

बीएनएम। बगहा

इंडो नेपाल सीमा अंतर्गत वाल्मीकिनगर के 9 आर डी पर एक विलुप्त प्रजाति का कछुआ मिला है। भारत, नेपाल और बांग्लादेश के स्वच्छ और खारे जल में अधिवास करने वाला इंडियन टेंट टर्टल गुलाबी रंग का है जिसे देख लोग भी हैरत में पड़ गए। बतादें की इंडियन टेंट टर्टल अतिसंरक्षीत जलीय जीव है और इसके तस्करी समेत घरों में रखने पर पाबंदी है। ऐसे में इस प्रजाति के कछुआ का गंडक नदी किनारे मिलना वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के लिए एक सुखद खबर है। कछुआ के इस विलुप्त हो रहे प्रजाति को अंतराष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं संरक्षण समितियों ने रेड लिस्ट व वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की सूची में शामिल किया है। वन्य जीव विशेषज्ञों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा की वीटीआर में इंडियन टेंट टर्टल का मिलना काफी सुखद खबर है क्योंकि यह नेपाल और बांग्लादेश के अलावा भारत के कुछ नदियों में पाया जाता है। शुक्रवार को यह वाल्मीकीनगर के 9 आर डी पर पाया गया जिसके ऊपर गुलाबी धारियां हैं और यह देखने में काफी खूबसूरत है। उन्होंने बताया की जिन बच्चों को यह कछुआ दिखा था उन्होंने वापस नदी में छोड़ दिया। इस तरह के विलुप्त हो रहे वन्य जीवों की सुरक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन और भारत की वित्तीय प्रणाली

जून 2024 के अंतिम सप्ताह में 27 जून 2024 को, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन जारी किया है। यह प्रतिवेदन वर्ष में दो बार, 6 माह के अंतराल पर जारी किया जाता है। इस प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत की वित्तीय प्रणाली लगातार मजबूत बनी हुई है और बेहतर तुलन पत्र के आधार पर भारत के बैंक एवं वित्तीय संस्थान लगातार ऋण विस्तार के माध्यम से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में अपनी प्रभावी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.8 प्रतिशत का रहा है तथा सकल अनर्जक आस्ति अनुपात पिछले कई वर्षों के सबसे निचले स्तर अर्थात 2.8 प्रतिशत पर एवं निवल अनर्जक आस्ति अनुपात केवल 0.6 प्रतिशत पर आ गया है जो अपने आप में रिकॉर्ड है। न केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत बने हुए हैं अपितु गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भी स्वस्थ बनी हुई हैं, जिनका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 26.6 प्रतिशत, सकल अनर्जक आस्ति अनुपात 4.0 प्रतिशत और आस्तियों पर प्रतिलाभ 3.3 प्रतिशत रहा है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात का मजबूत स्थिति में रहने का आशय यह है कि इन बैंकों के पास पर्याप्त मात्रा में पूंजी उपलब्ध है और इन बैंकों में किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी आने पर यह बैंक सफलतापूर्वक उस आर्थिक परेशानी का सामना कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, अनर्जक आस्ति अनुपात का सबसे कम स्तर पर आने का आशय यह है कि बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है एवं इन ऋणों पर पर कोई दबाव दिखाई नहीं दे रहा है।

उक्त प्रतिवेदन में भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था में पनप रहे कुछ जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों द्वारा अभी भी सख्त मौद्रिक नीति का अनुपालन किया जा रहा है एवं इन देशों द्वारा ब्याज दरों को अभी भी उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर इन देशों में स्वीकार्य स्तर तक नीचे नहीं आ पाई है। भारत के लिए जरूर इस प्रकार के जोखिम कमजोर पड़े हैं क्योंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नीचे लाने में सफलता मिली है। परंतु, भारत में एक तो विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद से नागरिकों पर ऋण का अतिरिक्त बोझ बड़ा है और दूसरे भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत की दर में कमी आई है। उक्त प्रतिवेदन में विशेष रूप से इन दो जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में नागरिकों की बचत दर घटकर सकल घरेलू उत्पाद के 18.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है जो वर्ष 2013 से 2022 के बीच में औसतन 20 प्रतिशत की रही है। इसी प्रकार, एक अन्य मानक के अनुसार, वर्ष 2013 से 2022 के बीच भारतीय नागरिक अपनी कमाई का औसतन 39.8 प्रतिशत भाग बचत करते थे परंतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह भाग घटकर 28.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। बचत, दरअसल, दो प्रकार की होती है, एक वित्तीय बचत और दूसरे, सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत जरूर कम हुई है परंतु सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत में वृद्धि दृष्टिगोचर है। जैसे, मकान बनाने हेतु एवं कार खरीदने हेतु की गई बचत को सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत की श्रेणी में रखा जाता है। भारत में हाल ही के वर्षों में सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत का रुझान बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। आवास एवं कार आदि जैसी सम्पत्तियां खरीदने हेतु भारत में मध्यवर्गीय परिवार अपनी बचत के साथ ही बैंकों से ऋण लेकर भी इन सम्पत्तियों का निर्माण कर रहे हैं।

इससे अर्थव्यवस्था के चक्र में भी तेजी दिखाई देने लगी है क्योंकि मकान बनाने के लिए स्टील, सिमेंट, आदि पदार्थों की खपत भी बढ़ रही है एवं इन उत्पादों का उत्पादन भी विनिर्माण इकाईयों द्वारा अधिक मात्रा में किया जा रहा है, इससे देश में रोजगार के अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, इससे देश के अर्थ चक्र में तेजी दिखाई देने लगी है। साथ ही, वित्तीय बचत कम इसलिए भी हो रही है क्योंकि अब देश का पढ़ा लिखा नागरिक वित्तीय रूप से अधिक साक्षर हो गया है एवं अब यह स्थिति समझने लगा है कि बैंकों एवं पोस्ट ऑफिस में बचत करने पर मिल रहे ब्याज की तुलना में शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने तथा सोने एवं चांदी जैसे पदार्थों में निवेश करने से अधिक आय का अर्जन सम्भव होता दिखाई दे रहा है। साथ ही, भूमि का टुकड़ा खरीदकर उस पर भवन का निर्माण कर तुलनात्मक रूप से अधिक आय का अर्जन किया जा सकता है। अतः बैंकों एवं पोस्ट ऑफ़िस के स्थान पर अब देश के नागरिक देश के पूंजी बाजार में अपनी बचत का निवेश करने लगे हैं।

दूसरे, मध्यवर्गीय परिवार अब अपने बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। इससे, इनकी कुल आय का अधिक प्रतिशत अब इन मदों पर खर्च होता दिखाई दे रहा है, इससे अंततः इन परिवारों की बचत में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। इसी कारण के चलते नागरिकों की शुद्ध वित्तीय बचत में 11.3 प्रतिशत की भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है जो वर्ष 2022-23 में 28.5 प्रतिशत की रही है और पिछले 10 वर्षों के दौरान औसतन 39.8 प्रतिशत की रही थी।

कोरोना महामारी के दौरान चूंकि पूरे देश में लाक्डाउन लगाया गया था अतः इस दौरान भारत में घरेलू बचत दर बढ़कर 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। परंतु कोरोना महामारी के बाद जैसे ही लाक्डाउन को हटाया गया, नागरिकों ने अपने खर्चों में वृद्धि करना शुरू कर दिया एवं आस्तियों में निवेश भी करना शुरू किर दिया था, इससे घरेलू बचत की दर में भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है। अब तो देश के नागरिक आस्तियों में निवेश करने के उद्देश्य से बैंकों से ऋण प्राप्त करने में भी किसी प्रकार की कठिनाई का अनुभव नहीं कर रहे हैं। इस सम्बंध में भारतीय बैंकों ने भी अपने नियमों को शिथिल किया है। इससे भारत में ऋण में वृद्धि दर लगातार 15 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है वहीं जमाराशि में वृद्धि दर लगातार कम होती जा रही है जिसका प्रभाव वृद्धात्मक ऋणःजमा अनुपात पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है जो अब 100 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है।

एक और दिलचस्प पहलू यह भी उभरकर सामने आया है कि अब पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन को भी वित्तीय जोखिम की तरह ही माना जा रहा है। अर्थात, अब जलवायु जोखिम एवं साइबर जोखिम को भी गम्भीर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। आगे आने वाले समय में इन दोनों जोखिमों की वजह से भारतीय वित्तीय प्रणाली पर भारी दबाव पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते तो भारत की मौद्रिक नीति पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे अंततः वित्तीय तंत्र के लिए भी जोखिम बढ़ सकता है।

- प्रहलाद सबनानी
(लेखक, आर्थिक विषयों के विशेषज्ञ हैं।)

आज का पंचांग

शनिवार 2024 वर्ष का 195 वां दिन दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946 मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल तिथि सप्तमी 15.06 बजे को समाप्त। नक्षत्र हस्त 19.15 बजे को समाप्त। योग शिव अहोरात्र।

आज का राशिफल

मेष : अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

वृष : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें।

कर्क : सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें।

सिंह : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा।

कन्या : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है।

तुला : पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं।

वृश्चिक : दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी।

धनु : संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

मकर : मनोरथ सिद्ध होंगे। पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी।

कुंभ : स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

मीन : सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

संपादकीय

परीक्षा व्यवस्था की प्रामाणिकता की चुनौती

प्रतिष्ठित 'नीट' की परीक्षा पेपर लीक की घटना से अधर में लटकी है और उसकी प्रामाणिकता ख़तरे में है। ऐसे ही यूजीसी की शोधवृत्ति और अध्यापकी की पात्रता दिलाने वाली 'नेट' की ताजा परीक्षा रद्द कर दी गई है कारण कि परीक्षा का प्रश्नपत्र छात्रों तक परीक्षा शुरू होने के पहले ही पहुँच गया था। जानकारी के हिसाब से कुछ ख़ास स्थानों पर ही इस शैक्षिक हादसे के किरदार सक्रिय थे। यह सांस्कृतिक परिवर्तन को भी बता रहा है। ताजा घटनाओं से परीक्षा की प्रक्रिया में बाधा आई। अपने परिश्रम का प्रतिसाद न पाने के कारण परीक्षार्थियों में घोर निराशा पैदा हुई है । इन संवेदनशील मामलों को लेकर अब तक की हुई तहक़ीक़ात से खबर यही आ रही है कि हादसा स्थानीय था और उसका प्रभाव सीमित था। इन परीक्षाओं के षड्यंत्र में परीक्षार्थी, उद्यमी और नेता आदि अनेक क़िस्म के लोगों की मिलीभगत का धीरे-धीरे पर्दाफ़ाश हो रहा है। लापरवाही, बेईमानी और भ्रष्टाचार की तमाम कहानियाँ सामने आ रही हैं। गिरफ़्तारी हो रही है, जाँच जारी है और अदालती कारवाई भी चल रही है। यह सब पूरा क़ानूनी है, यानी पर्याप्त समयसाध्य है और आगे भी अनंत काल तक चलता रहेगा । इतिहास बताता है कि इस तरह के मामलों का परिणाम अनिश्चित रहता है। पर यह कथा किसी भी तरह नयी नहीं है। पहले भी ऐसी घटनाएँ ज्ञात और अज्ञात रूप से होती रही हैं परंतु ज़रूरी सुधार नहीं हो सके हैं। इन सबका सम्मिलित परिणाम युवा वर्ग में कुंठा को बढ़ाने वाला है और उनके कैरियर बनाने में बाधक है। दरअसल परीक्षा और उसके परिणाम भारतीय जीवन के ऐसे प्रमुख स्तम्भ के रूप में स्वीकृत हो चुके हैं जो पूरे आदमी पर जन्म भर अपना प्रभाव बनाए रखते हैं। वे अपरिवर्तनीय ब्रह्म रेख जैसे होते हैं जिनको ढोते ही रहना होता है। परिणाम देने वाले होने के कारण आकर्षण और प्रलोभन के अनिवार्य केंद्र बन कर परीक्षा का भूत विद्यार्थियों और अभिभावकों के मन-मस्तिष्क पर बुरी तरह से छाया रहता है। चूँकि परीक्षा के ताले में ही भविष्य क़ैद हो छिपा रहता है और सभी उसकी कुंजी की तलाश में रहते हैं। यह हमारी शिक्षा व्यवस्था का कष्टदायी पक्ष है जिधर अभी तक कोई ख़ास ध्यान नहीं दिया जा सका है। सत्य यही है कि आज जीवन में परीक्षा का प्रभुत्व इतना बढ़ चुका है कि येन केन प्रकारेण परीक्षा की कुंजी हासिल कर लेना सबके लिए जीवन मरण का प्रश्न बन चुका है। इस पार या उस पार जैसी स्थिति के होने कारण साधारण विद्यार्थी अपने अध्ययन-अध्यवसाय का आधार लेते हैं और परिश्रम करते हैं। दूसरी तरफ़ धन और शक्तिसम्पन्न ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है जो बिना पढ़े-लिखे परीक्षा पास करने की ग़ैर क़ानूनी और अनैतिक जुगत लगाने की फ़िराक़ में रहते हैं और सबकुछ ठीक-ठाक रहा तो सफल भी हो जाते हैं। परीक्षा के निर्णायक महत्व को देख कर परीक्षा में सफलता को सुरक्षित कराने की ललक सबके मन में होती है। ऐसी स्थिति में नक़ल करा कर बिना पढ़े परीक्षार्थी को परीक्षा में सही उत्तर लिखने-लिखाने तथा अंकों में हेराफेरी करने आदि द्वारा परीक्षा परिणाम को अपने पक्ष में करने का धंधा देश में बड़े पैमाने पर फैल रहा है। लाइन तोड़ कर आगे बढ़ने-बढ़ाने का चलन तेज़ी से बढ़ रहा है। यह सब एक बड़ा व्यापार बन चुका है जिसमें मनमाना पैसा वसूल किया जाता है। इसके अनेक रूप हैं जिसमें संचार की प्रौद्योगिकी की भी बड़ी भूमिका है। साथ ही कोचिंग जैसी वैकल्पिक शिक्षा की व्यवस्थाएँ भी इसमें जुट गई हैं। पकड़ में न आने पर इसका लाभ लेकर लोग परीक्षा में अनायास सफल हो कर नौकरी-चाकरी पाने में भी कामयाब हो जाते हैं। यदि इस शार्टकट से योग्यताविहीन सफल होते लोग नौकरी और व्यवसाय में यदि कार्य की गुणवत्ता को सुनिश्चित न कर सकें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आज शिक्षा, परीक्षा और नौकरी का दुश्चक्र तेज़ी से फैल रहा है। रोज़गार के अवसर अपर्याप्त हैं। भारत जनसंख्या की दृष्टि विश्व में प्रथम के पद पर पहुँच चुका है पर जीने के संसाधन बेहद सीमित हैं। देश एक बड़ा बाज़ार हो चुका है पर उत्पादक न हो कर ख़रीददार है। साथ ही हमारी व्यवस्था न पर्याप्त है न चुस्त फलतः सभी प्रतीक्षारत हैं। विश्व में युवा देश के रूप में भारत से आशा बंधती है परंतु इस युवा शक्ति को नियोजित करना अत्यंत आवश्यक है। समाज और सरकार दोनों को इस युवा शक्ति को उपेक्षा कर अशक्त न बनाएँ। युवा वर्ग को सुशिक्षित और समर्थ बनाने की ज़रूरत है।

-गिरीश्वर मिश्र
(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

अब ब्रिटेन में सख्ती से कसे जाएं खालिस्तानी

ब्रिटेन के हालिया चुनावों में लेबर पार्टी की महत्वपूर्ण जीत से साबित हो गया कि ब्रिटेन की राजनीति में भारतीय प्रवासी समाज की भूमिका बेहद खास है। ब्रिटेन के चुनाव परिणाम यह बताते हैं कि वहां की राजनीति में भारतीय प्रवासियों की ताकत बढ़ती ही जा रही है। निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक सहित 26 भारतीय मूल के नेता नई संसद के लिए चुने गये हैं। सुनक ने उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल की। सुनक की पार्टी की शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट की सीट जीत ली है। लीसेस्टर ईस्ट में लड़ाई में कई दिग्गज शामिल थे, जिनमें पूर्व सांसद क्लाउड वेबे और कीथ वाज शामिल थे, जिन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। कीथ वाज भी भारतीय मूल के ही हैं। वे पहले भी संसद के सदस्य रहे हैं। शिवानी राजा शिक्षा की दुनिया से जुड़ी हुई हैं। वो लंबे समय से कंजरवेटिव पार्टी की एक्टिविस्ट हैं। भारत में जन्मे कनिष्क नारायण पूर्व वेल्श की सीट से जीत गए हैं। वे भी कंजरवेटिव पार्टी के उम्मीदवार थे। बिहार के मुजफ्फरपुर के मूल निवासी कनिष्क नारायण 12 साल की उम्र में ब्रिटेन गए थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड और फिर स्टैनफोर्ड में पढ़ाई की। भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने फेयरहैम और वाटरलूविल सीट जीती है। उनके पिता गोवा के और मां तमिल मूल की हैं। पंजाबी हिन्दू परिवार से संबंध रखने वाले गगन मोहिन्दर फिर से साउथ-वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट से चुनाव जीत गए हैं। निवर्तमान संसद के सदस्य नवेंदु मिश्र लेबर पार्टी की टिकट पर स्टॉकपोर्ट सीट से कामयाब रहे हैं। वो मूल रूप से कानपुर से हैं। ब्रिटेन की निवर्तमान संसद में भी 15 भारतीय मूल के सांसद थे। ब्रिटेन के आम चुनाव 2024 में, कुल 107 ब्रिटिश-भारतीय उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे। भारत-ब्रिटेन संबंधों के देखा जाए तो इसके प्रमुख रूप से पांच आयाम हैं। ब्रिटेन भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। जबकि भारत भी ब्रिटेन में नई परियोजनाएं शुरू करने के मामले में तीसरा सबसे बड़ा देश है। भारत के लिए ब्रिटेन एक महत्वपूर्ण आयातक देश है। हालांकि यह भारत को बहुत बड़ी मात्रा में निर्यात भी करता रहा है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में भारतीय कंपनियों की भी अहम भूमिका है। भारतीयों की स्वामित्व वाली 700 से ज़्यादा कंपनियों ने ब्रिटेन में 1 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार दिया हुआ है। टाटा ग्रुप की ही कंपनियों ने ब्रिटेन में हज़ारों लोगों को रोज़गार दिया हुआ है। वहां हिन्दुजा, लक्ष्मी मित्तल, स्वराज पॉल जैसे बहुत सारे बड़े

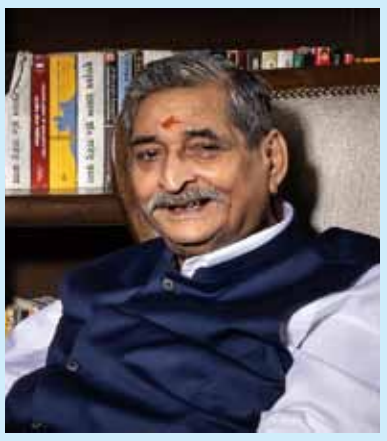

उद्योगपति स्थायी रूप से रहकर ही देश-विदेश में अपना काम कर रहे हैं। इसके अलावा, भारत के हज़ारों छात्र ब्रिटेन में पढ़ाई करने भी हर साल जाते हैं। हां, भारत के युवाओं में अमरीका, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी में पढ़ाई, नौकरी या निवेश करने का चलन भी बढ़ रहा है। भारत और ब्रिटेन के बीच 200 साल से भी अधिक का पुराना संबंध है। दोनों ही देश सांस्कृतिक संस्थानों और अंग्रेज़ी से माध्यम से जुड़े हैं। दोनों देशों के आपसी संबंधों को मज़बूत रखने में ब्रिटेन में रहने वाले करीब 15 लाख प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका है। ये प्रवासी भारतीय न केवल ब्रिटेन और भारत के बीच एक मजबूत पुल का काम कर रहे हैं, बल्कि, इन्होंने भारत की संस्कृति से ब्रिटेन को संपन्न भी किया है। प्रवासी भारतीय ब्रिटेन में हर क्षेत्र में प्रभावशाली रूप से मौजूद है। अब चाहे वो व्यापार, राजनीति, खेल का क्षेत्र हो या कोई और, इन्होंने सभी क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण मुक़ाम हासिल किया है। भारत को ब्रिटेन की नई सरकार से यह भी यही उम्मीद रहेगी कि पिछले साल भारतीय उच्चायोग पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार तत्वों पर अब कठोर एक्शन लिया जाये। ऋषि सुनक सरकार ने भी खालिस्तान समर्थक संगठनों पर चाबुक चलानी शुरू कर दी थी। ये संगठन ब्रिटेन में बैठकर भारत के खिलाफ आतंकवाद या नफरत की आग फैलाने की साजिश में लगे हुए हैं। इन संगठनों में इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन, खालसा टेलीविजन लिमिटेड, खालिस्तानी टेलीविजन चैनल वगैरह शामिल हैं। ब्रिटेन में खालिस्तानी फंडिंग नेटवर्क की कमर तोड़ने के लिए बनाई गई स्पेशल टास्क फोर्स ने खालिस्तान समर्थकों के 300 से ज्यादा बैंक खाते जब्त कर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जब्त की है। भारत- ब्रिटेन संबंधों में बेहतरी तब ही कायदे से आएगी, जब वहां खालिस्तानी समर्थक कसे जाएंगे। अब भारत-ब्रिटेन का यह लक्ष्य रहेगा कि दोनों देश व्यापार, प्रौद्योगिकी और सुरक्षा में सहयोग बढ़ाएं। पिछली 4 जुलाई को ब्रिटेन में हुए संसदीय चुनावों के परिणाम व्यापक रूप से अपेक्षित थे। किएर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी को 34 फीसद वोटों के साथ हाउस ऑफ कॉमन्स में 650 सीटों में से 410 सीटों पर जीत मिली। वे अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनकी भी भारतीय सनातनी परम्पराओं में गहरी आस्था है और वे नियमित रूप से हिन्दू मंदिरों में जाते रहे हैं। हालिया चुनाव परिणाम भारत-ब्रिटेन संबंधों के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों ही प्रस्तुत करते हैं, जो पिछले दो दशकों में लगातार मजबूत होते रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से बात की और उन्हें पीएम चुने जाने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने विगत शनिवार को ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री से बात करते हुए उन्हें लेबर पार्टी की उल्लेखनीय जीत पर बधाई दी। बातचीत में दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री को मोदी जी ने भारत आने का निमंत्रण भी दिया। दोनों नेताओं ने भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए यानी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को जल्द फाइनल करने की दिशा में काम करने पर भी सहमति जताई। भारत और ब्रिटेन के बीच आपसी संबंध मजबूत करने के लिहाज से एफटीए का काफी महत्व है। इस मुद्दे पर आगे बढ़ने के लिए दोनों ही देश कोशिशें कर रहे हैं। इस बाबत वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल गंभीरता से प्रयास करते रहे हैं। प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते में कुल 26 अध्याय हैं, जिनमें से अधिकतर पर आपसी सहमति बन गई है। अगर एफटीए समझौता हो जाता है, तो इससे दोनों देशों में आर्थिक विकास और रोजगार के मौके को बढ़ावा मिलेगा। अभी ब्रिटेन के साथ भारत का जो द्विपक्षीय व्यापार है, वो भारत के पक्ष में ही थोड़ा झुका है। यानी भारत आयात के मुकाबले ब्रिटेन को निर्यात ज्यादा करता है। हालांकि, आयात-निर्यात के बीच का यह अंतर बहुत ज्यादा नहीं है। भविष्य में भारत-ब्रिटेन के साथ संबंधों में लगातार बेहतरी की उम्मीद की जा सकती है। भारत चाहेगा कि नई सरकार ब्रिटेन में भारत विरोधी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर रोक लगाए और पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद का मुकाबला करने में सहयोग करें। वैसे ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री का कश्मीर पर रुख जगजाहिर है। वे कश्मीर विवाद को पूर्णतः भारत का अंदरूनी मामला मानते हैं और कश्मीर में किसी भी तरह की पाकिस्तानी हस्तक्षेप के सख्त खिलाफ हैं।

-आर.के. सिन्हा, (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

12वीं के बाद करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स, कॅरियर ग्रोथ के साथ मिलेगा लाखों का पैकेज

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024-25 में यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

- इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

सैलरी

- इस क्षेत्र में अपना कॅरियर शुरू करने पर आपको 3 से 5 लाख रुपये सालाना की नौकरी आसानी से मिल जाती है। वहीं एक्सपीरियंस बढ़ने पर सालाना 13 से 15 लाक तक का भी पैकेज उठा सकते हैं। बता दें कि गेम प्रोड्यूसर इस फील्ड में सालाना 10 लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है।

कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

- अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- एम्स, नई दिल्ली

डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाना चाहते हैं कॅरियर तो यहां देखें सारी डिटेल्स

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं।

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

12वीं के बाद डेटा साइंस का कोर्स

इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस दौर में डेटा का महत्व काफी बढ़ गया है। ऐसे में डेटा साइंस एक उभरती हुई फील्ड है। वहीं इससे जुड़े कोर्सेज में एडमिशन लेने और पढ़ाई करने की दौड़ भी तेज हो गई है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि 12वीं के बाद डेटा साइंस की पढ़ाई के लिए कौन से कोर्सेज में दाखिला लिया जा सकता है। साथ ही यह भी जानेंगे कि इसमें कॅरियर की क्या संभावनाएं हैं। 12वीं के बाद छात्रों के सामने कई ऑप्शन हैं। 12वीं के बाद इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए BTech, Bsc और BCA जैसे कोर्सेज किये जा सकते हैं।

BTech- Data Science का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है। BTech करने के लिए PCM के साल 12वीं में 50% अंक होना अनिवार्य है। हांलाकि कई अच्छे कॉलेजों में PCM के साथ 60% अंक मांगते हैं। लेकिन अगर आप IT। जैसे संस्थान में दाखिला लेना चाहते हैं तो आपको BTech करने के लिए 75% नंबर होना जरूरी है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

BCA भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती IT इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो और अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते ब्यूग में ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

10वीं के बाद ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है।

समय के साथ ही अब लोग अलग-अलग क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना रहे हैं। आए दिन नए-नए कोर्स आ रहे हैं। जिससे कि युवा पीढ़ी इन कोर्स को कर अपने फ्यूचर को नई दिशा दे सके। बता दें कि इन कोर्सेज में एक कोर्स ज्वैलरी डिजाइनिंग का भी है। ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए आपको काम के प्रति लगाव और नया करने की सोच लानी होगी।

इस फील्ड में विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी और अच्छी डिजाइनिंग सेंस का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेजफुल होने के लिए कल्पनाशीलता के साथ-साथ आपका मार्केट रिसर्च वर्क भी बेहतर होना जरूरी होता है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है। इस काम के लिए ऑटो कैड, 3डी स्टूडियो, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर और कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए छात्रों को दसवीं पास होना अनिवार्य है।

सर्टिफिकेट कोर्स

- बेसिक ज्वैलरी डिजाइन
- कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
- बीएससी कोर्स
- बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी
- ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

यहां से करें कोर्स

- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

भारतीय क्रिकेट टीम चौथे टी20 में जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज जीतने उतरेगी

शाम 4.30 बजे से होगा मुकाबला

हरारे। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां चौथे टी20 मैच में जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। पहले मैच में मेजबान टीम के हाथों मिली हार के बाद वापसी करते हुए भारतीय टीम ने दूसरा और तीसरा मैच जीता है। अब भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में आ गये हैं। ऐसे में उसे इस मैच में जीत का प्रबल दावेदार बताया जा रहा है। टीम के कप्तान शुभमन गिल ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह उस प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे। टीम की ओर से दूसरे मैच में आतिशी शतक गाने वाले अभिषेक भी इस मैच में एक बार फिर बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। यशस्वी जायसवाल ने भी पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था।

टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुंदर हैं। स्पिन गेंदबाज होने के साथ वह निचले क्रम के अच्छे बल्लेबाज भी हैं। पिछले मैच में सुंदर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। टीम के पस स्पिनर रवि बिश्नोई भी हैं। रवि ने अब तक हुए मैचों में जबरदस्त गेंदबाजी कर मेजबानों पर अंकुश लगाया हुआ है। बिश्नोई के अलावा तेज गेंदबाज आवेश खान और वॉशिंगटन ने भी अब तक छह-छह विकेट लिए हैं। मुकेश कुमार को पिछले मैच में आराम दिया गया था ऐसे में इस मैच में वह आवेश की जगह उतर सकते हैं।

वहीं अवसर मिलने परसंजू सैमसन और शिवम दुबे भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। दूसरी ओर मेजबान टीम की राह बेहद कठिन है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज भारतीय टीम के सामने काफी कमजोर साबित हुए है। उसे अगर इस मैच में उलटफेर करना है तो कप्तान सिकंदर रजा के साथ ही तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजाराबानी और डियोन मायर्स को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसके अलावा अन्य खिलाड़ियों को भी योगदान दोना होगा।

दोनो ही टीमों के संभावित अंतिम 11

भारत : शुभमन गिल (कप्तान) , अभिषेक शर्मा, रुतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रियान पराग, संजू सैमसन (विकेट कीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अवेश खान, मुकेश कुमार, रवि बिश्नोई।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), वेस्ली मधेवेरे, इनोसेंट काइया, ब्रायन बेनेट, डायोन मायर्स, जॉनथन कैंपबेल, क्लाइव मडांडे (विकेट कीपर), वेलिंगटन मसाकादजा, ल्यूक जोंगवे, ब्लेसिंग मुजारबानी, टेंडाई चतारा।

विराट को नहीं जानते फुटबॉलर इब्राहिमोविच

नई दिल्ली। स्वीडन के पूर्व पेशेवर फुटबॉलर ज्लाटन इब्राहिमोविच ने कहा है कि वह विराट कोहली को नहीं जानते हैं। स्ट्राइकर इब्राहिमोविच ने एक साक्षात्कार में कहा है कि वह क्रिकेट नहीं देखते इसलिए विराट नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते। मेरिका के सोशल मीडिया स्टार डैरेन जेसन वॉट्किंस जूनियर के साथ बातचीत के दौरान इब्राहिमोविच ने ये बातें कहीं। इस फुटबॉलर ने कहा है कि वह किसी का अपमान नहीं कर रहे पर ये भी सच है कि वह किसी विराट को नहीं जानते। इब्राहिमोविच जहां विराट से काफी काफी धनी हैं और उनकी नेटवर्थ विराट से तीन गुनी ज्यादा है। वहीं फालोवर्स की बात करें तो वह विराट से कहीं पीछे हैं।

इब्राहिमोविच के इंस्टाग्राम पर 64 मिलियन फॉलोवर्स हैं जबकि विराट के 270 मिलियन। इस प्रकार फॉलोवर्स के मामले में उनकी लोकप्रियता विराट से काफी कम है। वहीं नेटवर्थ में विराट उनसे काफी पीछे हैं। जहां विराट की नेटवर्थ 1000 करोड़ के करीब है तो वहीं, इब्राहिमोविच की नेटवर्थ विराट कोहली से 15 गुना अधिक है। इब्राहिमोविच की नेटवर्थ करीब 15000 करोड़ रुपए के करीब है। वह ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए अरबों रुपए की कमाई करते हैं। विराट जहां अपनी बल्लेबाजी के लिए जाते जाते हैं। वहीं इब्राहिमोविक अपने कलाबाज स्ट्राइक और वॉली, तकनीक और गेंद पर नियंत्रण के साथ-साथ अपने शारीरिक प्रभुत्व के लिए जाने जाते हैं। उन्हें अब तक के सबसे महान स्ट्राइकरों में से एक माना जाता है और वे दुनिया के सबसे सम्मानित फुटबॉलरों में से एक हैं, जिन्होंने अपने करियर में 34 ट्रॉफी जीती हैं। उन्होंने 570 से अधिक करियर गोल भी किए हैं, जिनमें 500 से अधिक क्लब गोल शामिल हैं.

अफरीदी ने बाबर को लेकर पीसीबी पर निशाना साधा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने टीम के कप्तान बाबर आजम को लेकर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर जमकर निशाना साधा है। अफरीदी ने कहा है कि बाबर को कई अवसर मिले हैं पर वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। टीम टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर ही बाहर हो गयी। बाबर ने एकदिवसीय विश्वकप के बाद कप्तानी छोड़ दी थी पर टी20 विश्वकप से पहले उन्हें एक बार फिर यही जिम्मेदारी द दे दी गयी। अफरीदी ने कहा, पीसीबी को कप्तान या कोच पर फैसला लेना चाहिए और फिर उन्हें समय देना चाहिए पर जहां तक बाबर का सवाल है, उन्हें काफी अवसर मिल गये हैं। हमने भी कप्तानी की है और देखा है कि किसी कप्तान को इतने अवसर नहीं मिले। जैसे ही विश्व कप खत्म होता है, आमतौर पर कप्तान ही पहला व्यक्ति होता है जिस पर आरोप लगाकर उसे हटाया जाता है। वहीं बाबर को 2 से 3 विश्व कप के अलावा एकदिवसीय विश्वकप और टी20 विश्वकप में भी अवसर मिले हैं। अफरीदी के अनुसार विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान कप्तानी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने सुपर लीग में टीम की कप्तानी की है और उनका जीत का रिकार्ड आजम से अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें भी अवसर दिया जाना चाहिये।

अपने चौथे ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं मनप्रीत

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह इस बार अपना चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे हैं। मनप्रीत के अनुसार उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह यहां तक पहुंचेंगे और चौथा ओलंपिक खेलेंगे क्योंकि सभी का सपना ओलंपिक खेलने का रहता है। साथ ही कहा कि हर खिलाड़ी का सपना होता है ओलंपिक खेलना और पदक जीतना। इसलिए मैं अपने को खुशकिस्मत समझता हूं जो मुझे इसमें खेलने का अवसर मिल रहा है। इस अनुभवी मिडफील्डर ने कहा, 'मैं यह सोचकर जा रहा हूं कि ये मेरा आखिरी ओलंपिक है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। एशियाई खेल 2014 और 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे मनप्रीत ने भारत के लिये 370 मैचों में 27 गोल दागे हैं। वह टोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल के ध्वजवाहक भी रहे थे। ओलंपियन परगट सिंह को अपना आदर्श मानने वाले मनप्रीत ने कहा कि तोक्यो से पेरिस तक टीम की तैयारियों में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। साथ ही कहा कि हम अपने अनुभव पांचों नए खिलाड़ियों से बांट रहे हैं। किसी टीम को हलके में नहीं लेना है। उन्होंने कहा, 'हमारा पूल कठिन है और हम किसी भी टीम को हलके में नहीं ले सकते।

वाराणसी में तैयार हुआ अत्याधुनिक स्टेडियम

बैडमिंटन , सहित कई खेलों के लिए कोर्ट बने

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक अत्याधुनिक स्टेडियम बना है। इस माह के अंत से इस स्टेडियम में खिलाड़ी अभ्यास कर सकेंगे। यहां के खिलाड़ी काफी समय से कोई अच्छा स्टेडियम चाहते थे और उनकी ये इच्छा अब पूरी हो रही है। इस स्टेडियम का निर्माण 90 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है। इस स्टेडियम में बैडमिंटन के 10 स्क्वाश के 4,बिलियर्ड्स के 4 टेबल रूम के अलावा 2 इंडोर बास्केट बॉल कोर्ट, 20 टेबल टेनिस, कवर्ड ओलंपिक साइज स्विमिंग पुल, कवर्ड वार्म अप स्विमिंग पुल के अलावा और भी कई खेलो के लिए कोर्ट बनाए गए है। इन सब के अलावा यहां जिम, कैफे, लाउंज आदि का भी निर्माण किया गया है.इसके अलावा यहां स्पोर्ट्स लाइब्रेरी और बैंक्वेट हॉल की भी सुविधा है। इस स्टेडियम के दूसरे और तीसरे चरण का काम तेजी से चल रहा है। इसके पूरा होते ही यहां फुटबॉल और क्रिकेट के लिए अभ्यास मैदान भी होगा। इसके अलावा यहां खिलाड़ियों के रुकने के लिए होस्टल भी है। इस स्टेडियम से प्रदेश की उभरती प्रतिभाओं को आगे आने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

व्यापार

भारत-कतर जेडब्ल्यूजी ने व्यापार बैठक में सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान की

सत्यमेव जयते
Ministry of Commerce & Industry
Government of India

नई दिल्ली। भारत और कतर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) ने व्यापार को सुगम बनाने के लिए कतर के दोहा में 10 जुलाई को बैठक की। इस बैठक में भारत के वाणिज्य सहित अन्य मंत्रालयों एवं संगठनों के अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें रत्न एवं आभूषण, फार्मास्यूटिकल्स, एमएसएमई और खाद्य प्रसंस्करण जैसे संभावित क्षेत्रों की सहयोग के रूप में पहचान की गई।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि दोहा में संयुक्त कार्य समूह की आयोजित बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग की आर्थिक सलाहकार प्रिया पी. नायर और कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं व्यापार समझौते के निदेशक सालेह अल-माना ने की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने 2025 में नई दिल्ली में संयुक्त कार्य समूह की अगली बैठक आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

मंत्रालय ने कहा कि वाणिज्य सहित अन्य मंत्रालयों एवं संगठनों के अधिकारियों वाले एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 10 जुलाई को दोहा में कतर पक्ष के साथ जेडब्ल्यूजी की एक बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार को सुगम बनाने और माल पर सीमा शुल्क नियंत्रण के लिए आगमन-पूर्व सूचना के आदान-प्रदान में खाद्य सुरक्षा और सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) के लिए जारी चर्चाओं की प्रगति की समीक्षा के साथ उन्हें जल्द पूरा करने पर सहमति जताई।

मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार में व्यवधान उत्पन्न करने वाले सभी मुद्दों का शीघ्र समाधान निकालने और दोनों देशों के बीच व्यापार संवर्धन को सुगम बनाने पर भी सहमति जताई। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश सहयोग के लिए निजी क्षेत्र के दृष्टिकोण और प्रस्तावों का अनुसरण करने और उन्हें कार्यान्वित करने में अपनी निर्धारित भूमिका निभाने के लिए संयुक्त व्यापार परिषद को सक्रिय करने की संभावित व्यवस्था पर भी विचार-विमर्श किया।

इसके अलावा दोनों पक्षों ने इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग में हाल के घटनाक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि इस संबंध को और आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। इस संबंध में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार के साथ-साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग के क्षेत्रों को बढ़ाने के लिए कई प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की। इनमें रत्न और आभूषण, सीमा शुल्क अधिकारियों के बीच सहयोग, स्थानीय मुद्रा में व्यापार, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य सुरक्षा, एमएसएमई आदि में सहयोग शामिल है।

उल्लेखनीय है कि भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय व्यापार बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 14.08 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा है। भारत, कतर का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है।

शेयर बाजार की सपाट शुरुआत

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को सपाट शुरुआत के बार तेजी आई। दिग्गज आईटी कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के शेयरों में आये उछाल से बाजार में ये तेजी आई। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 293 अंक करीब 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,191 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 101 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी की बढ़त के साथ ही 24,423 पर था। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी हल्की बढ़त बनी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 173 अंक करीब 0.30 फीसदी बढ़कर 57,321 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 108 अंक तकरीबन 0.58 फीसदी ऊपर आकर 19,028 पर रहा।

आज सुबह एनएसई पर 1589 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 497 शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज टीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, एमएंडएम, एसबीआई और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक लाभ में रह।

वही मारुति सुजुकी, सन फार्मा, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। ऑटो, आईटी, पीएसयू, फिन सर्विस और मेटल इंडेक्स में तेजी रही पर रियल्टी इंडेक्स नीचे आये। वहीं जानकारों के अनुसार बाजार में एक सीमित दायरे में कारोबार हुआ है।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा कारोबार में आज कमजोरी दर्ज की गयी। दोनों के ही वायदा भाव में खुलते ही गिरावट दर्ज की गयी। कुछ समय बाद ही सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब जबकि चांदी के वायदा भाव 93,800 रुपये के आसपास कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत फीकी रही जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी रही।

वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 107 रुपये की टूटकर 73,204 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 71 रुपये नीचे आकर 73,240 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 73,246 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 73,173 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 74,442 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज अच्छी नहीं रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबुंध आज 179 रुपये की गिरावट के साथ ही 94,011 रुपये पर खुला। वहीं चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद नीचे आने लगे। कामेक्स पर सोना 2421 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,421.90 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.72 डॉलर के भाव पर खुले। पिछली बार ये 31.67 डॉलर पर बंद हुए थे।

जियो फाइनेंशियल बनेगी कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी, आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की फाइनेंशियल सेक्टर की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड अब नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) से बदलकर कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) बन जाएगी। इसके लिए कंपनी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि कंपनी को नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी से कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी में परिवर्तित करने की मंजूरी रिजर्व बैंक से 11 जुलाई को मिल गई है। कंपनी ने नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल से कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी में बदलने के लिए आरबीआई के पास आवेदन किया था। कंपनी ने 21 नवंबर, 2023 को इसकी जानकारी दोनों एक्सचेंजों को दी थी।

क्या होता है कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी- कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी (सीआईसी) एक स्पेशलाइज्ड एनबीएफसी है, जिसका एसेट साइज 100 करोड़ रुपये से अधिक होता है। आरबीआई की परिभाषा के अनुसार कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी की एसेट की साइज 100 करोड़ रुपये से ज्यादा होनी चाहिए। इसके साथ ही उसे अपनी नेट एसेट का कम से कम 90 फीसदी इक्विटी शेयर, तरहीजी शेयर यानी बॉन्ड, डिबेंचर या समूह कंपनियों में लोन जैसे निवेश के तौर पर रखना होता है। यह स्ट्रक्चर सब्सिडियरी कंपनियों में जरूरी पूंजी के निवेश को मंजूरी देता है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) का सब्सिडियरी कंपनी थी। इस कंपनी का 20 जुलाई, 2023 को आरआईएल से डीमर्जर हो गया था। आरबीआई ने डीमर्जर होने के बाद शेयरहोल्डिंग पैटर्न बदलते समय जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को सीआईसी में बदलने का निर्देश दिया था।

चियान विक्रम की तंगलान का ट्रेलर हुआ रिलीज

धांसू अवतार में नजर आए अभिनेता

चियान विक्रम के फैंस के फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है. उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म थंगालान का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. टीजर और फर्स्ट-लुक पोस्टर के लॉन्च होने के लंबे इंतजार के बाद फिल्म के ट्रेलर ने काफी एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है. तंगलान एक हिस्टोरिकल एक्शन ड्रामा है जो एक निडर आदिवासी नेता की स्टोरी बताती है जो कोलार गोल्ड फील्ड्स में अपनी जमीन के लिए ब्रिटिशर्स ने लड़ने की हिम्मत करता है. ट्रेलर में अत्याचार, बहादुरी और विजय से भरे युग की झलक दिखाई गई है, जिसमें चियान विक्रम अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं. फिल्म में चियान विक्रम के अलावा पार्वती थिरुवोथु, डैनियल कैल्टागिरोन, पसुपथी और मालविका मोहनन सहित कई टैलेंटेड कलाकार हैं जो फिल्म में खास रोल निभाते नजर आएंगे. पा रंजीत द्वारा निर्देशित, तंगलान निर्देशक और संगीतकार जीवी प्रकाश कुमार के बीच फिल्म के साउंडट्रैक पर पहला कोलेबोरेशन है. फिल्म का निर्माण स्टूडियो ग्रीन और जियो स्टूडियो द्वारा केई ज्ञानवेल राजा और ज्योति देशपांडे के बैनर तले किया गया है. शुरुआत में जनवरी 2024 में रिलीज होने वाली तंगलान को कई बार पोस्टपोन किया गया. हालांकि रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अब 15 अगस्त को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित पांच भाषाओं में सिनेमाघरों में आने वाली है. फिलहाल ऑफिशियल अनाउंसमेंट होना अभी भी बाकी है. लेकिन फैंस इस एपिक ड्रामा की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

आलिया भट्ट ने शुरू की वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा की शूटिंग

सेट से वायरल हुई एक्ट्रेस की तस्वीर

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने अपनी अपकमिंग फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी हैं. एक्ट्रेस की यह फिल्म यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स के अंतर्गत बन रही है. आलिया भट्ट की सेट पर जाते समय की एक तस्वीर सामने आई है. इसमें आलिया कैजुअल लुक में नजर आ रही हैं. बताया जा रहा है कि यह एक्ट्रेस के फिल्म के लुक की तस्वीर नहीं है. क्योंकि तस्वीर उस समय की है जब एक्ट्रेस सेट पर पहुंच रही थीं. इस बात की जानकारी प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने भी दी है. सेट से कोई तस्वीर लीक न हो इसके लिए मेकर्स ने भारी तैयारी कर रखी है. अल्फा फिल्म बॉलीवुड में एक खास स्थान हासिल करने जा रही है. बता दें कि यह पहली फीमेल लीड वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म साबित होगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस यशराज फिल्स स्पाई यूनिवर्स की इस मूवी में सुपर-एजेंट के रोल में नजर आने वाली हैं. उन्होंने इसके लिए शूटिंग शुरू कर दी है. वायरल तस्वीर में आप आलिया भट्ट को नीले और सफेद रंग की ड्रेस में देख सकते हैं. सुरक्षा कारणों के चलते एक्ट्रेस की यह तस्वीर दूर से ली गई है. बता दें कि अल्फा नाम की इस चर्चित अपकमिंग फिल्म का डायरेक्शन भोपाल गैस त्रासदी की घटनाओं से संबंधित सीरीज द रेलवे मेन बनाने वाले शिव रवैल कर रहे हैं. बता दें कि यशराज फिल्म्स के मालिकाना हक वाले वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म में वॉर 2 भी शामिल है. इससे पहले आई फिल्म वॉर ब्लॉकबस्टर रही थी. इस फिल्म में ऋतिक रोशन के साथ टाइगर श्रॉफ नजर आए थे. वहीं अब वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ साउथ इंडियन एक्टर जूनियर एनटीआर नजर आने वाले हैं. बता दें कि वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स सिर्फ ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के चलते चर्चा में रहा है. अब तक इसके अंतर्गत वॉर के अलावा पठान, एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है और टाइगर 3 बन चुकी है. इनमे से तीन फिल्मों में सलमान खान ने और एक-एक फिल्मों में ऋतिक रोशन-शाहरुख़ खान ने काम किया है. इन सभी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन रिकॉर्डतोड़ रहा है. इन पांचों ही फिल्मों को ब्लॉकबस्टर का टैग मिला है. जबकि अब वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स आलिया भट्ट के साथ पहली फीमेल लीड अल्फा बनाने जा रहा है.

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि की दहाड़ में किल ने पांच दिनों में कर ली 8.75 करोड़ की कमाई

प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की कल्कि 2898एडी से टक्कर लेने बॉक्स ऑफिस पर 5 जुलाई को लक्ष्य और राघव जुयाल की किल रिलीज हुई थी, जिसके रिव्यू ने फैंस का ध्यान खींचा था. वहीं ऑडियंस रिव्यू के अलावा ओपनिंग डे कलेक्शन को देखकर भी फिल्म के हिट होने की बात कही जाने लगी थी. लेकिन अब किल के पांच दिनों का कलेक्शन सामने आ गया है, जो जरुर लोगों को तारीफ करने पर मजबूर कर देगा. आइए आपको बताते हैं पांच दिनों में किल की कमाई. बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, भारत में किल ने 8.75 करोड़ की कमाई हासिल कर ली है. जबकि वर्ल्डवाइड यह आंकड़ा 17.80 करोड़ के बार हो गया है. वहीं फिल्म का बजट 10 से 20 करोड़ के बीच बताया गया है, जो पहले वीकेंड पर फिल्म हासिल कर लेगी. पांच दिनों की कमाई देखें तो पहले दिन किल ने 1.25 करोड़ की ओपनिंग की थी. जबकि दूसरे दिन आंकड़ा 2.15 करोड़ तक जा पहुंचा. वहीं तीसरे दिन कमाई 2.7 करोड़ तक रही. इसके बाद चौथे दिन 1.3 करोड़ के साथ सोमवार को गिरावट देखने को मिली. वहीं मंगलवार को आंकड़ा 1. 35 करोड़ तक रहा. गौरतलब है कि धर्मा प्रोडक्शन में बनी किल से लक्ष्य ने डेब्यू किया है. जबकि राघव जुयाल एबीसीडी जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं. हालांकि इस फिल्म में वह विलेन के रोल में ध्यान खींच रहे हैं.

रेड आउटफिट में सोफी चौधरी ने ढाया कहर

सिजलिंग फोटोशूट ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी आए दिन अपनी बोल्ड और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट गाउन लुक में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। एक्ट्रेस सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है। अब हाल ही में सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बोल्ड तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए टू मच हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लिखा है। सोफी चौधरी ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान रेड कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में इयररिंग्स, ओपन हेयर को वेवी लुक में स्टाइल कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी जब भी अपना लुक फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो अक्सर इंटरनेट पर ट्रेंड करता है। हालांकि कई लोग उनका स्टाइल फॉलो भी करते हैं।

मिर्जापुर 3 की सलोनी भाभी का किरदार निभाने वाली नेहा सरगम मिला नेशनल क्रश का टैग

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार मिर्जापुर सीजन 3 रिलीज हो चुका है, जिसे फैन्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है. कई लोगों को जहां मिर्जापुर 3 काफी पसंद आई है तो वहीं कई लोगों को इसकी कहानी दिलचस्प नहीं लगी. हालांकि इन सबके बीच जो किरदार चर्चा का विषय बना हुआ है, वो है दद्दा त्यागी की बहू सलोनी त्यागी. यह एक्ट्रेस मिर्जापुर सीजन 2 में दद्दा के बड़े बेटे भरत त्यागी की पत्नी बनीं, अब सीजन 3 में वो अपनी भूमिका को प्रमुखता से निभा रही हैं. इतना ही नहीं उन्होंने अपने किरदार को इतनी अच्छी तरह से निभाया है कि अब वो भारत की नई क्रश बन गई हैं. आइए एक्ट्रेस के बारे में विस्तार से जानते हैं. मिर्जापुर सीजन 3 में सलोनी त्यागी के किरदार में नजर आ रही एक्ट्रेस का असली नाम नेहा सरगम है और वो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं. नेहा मूल रूप से बिहार के पटना की रहने वाली हैं. पटना में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपनी मां और छोटी बहन के साथ मुंबई चली गईं. वह हमेशा से एक सिंगर बनने की ख्वाहिश रखती थीं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की. नेहा ने इंडियन आइडल में भाग लिया और सीजन 4 में जगह बनाई, लेकिन दुर्भाग्य से प्रतियोगिता के दौरान गले में संक्रमण के कारण उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया. नेहा साल 2012 में टीवी शो रामायण: सबके जीवन का आधार में नजर आईं, जिसमें उन्होंने सीता की भूमिका निभाई थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नील भट्ट और नेहा तीन साल से रिलेशनशिप में थे और शादी करने की भी प्लानिंग कर रहे थे. हालांकि, आपसी मतभेदों के कारण दोनों को ब्रेकअप हो गया और दोनों के रास्ते हमेशा के लिए अलग हो गए.

नेटफ्लिक्स की आगामी सीरीज सीए टॉपर का ट्रेलर हुआ रिलीज

18 जुलाई को होगा प्रीमियर

इन दिनों वेब सीरीज का लोगों में काफी क्रेज है। पंचायत और मिर्जापुर जैसी सीरीज के लिए लोगों में दीवानगी को देखते हुए मेकर्स नए-नए कॉन्सेप्ट के साथ दर्शकों के बीच आ रहे हैं, जो फैंस को पसंद भी आ रहा है। अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज मिर्जापुर-3 कुछ दिनों पहले ही स्ट्रीम हुई है, जिसमें गुड्डू पंडित से लेकर कालीन भैया फिर से एक बार मार-काट करते हुए दिखाई दिए। अब इस क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज के क्रिएटर (राइटर) एक ब्रांड न्यू कहानी लेकर आ रहे हैं, जो दर्शकों को थोड़ा गुदगुदाएगी, लेकिन साथ ही एक सीए टॉपर को मजबूरी में क्या-क्या काम करना पड़ता है, उसकी कहानी भी उजागर करेगी। उनकी इस वेब सीरीज का टाइटल त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर है, जिसका हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ है। दुनिया के सामने त्रिभुवन काफी भोला है, जो ऑफिस में एकदम आईडियल कर्मचारी है, लेकिन अपनी मजबूरी को देखते हुए वह गलत राह पर निकल जाता है, जहां वो महिलाओं की जरूरतों को पूरा करता है। जब डॉन को ये बात पता चलती है कि उसकी पत्नी का अफेयर किसी सीए टॉपर के साथ है, तो वह उसे मारने के लिए अपने गैंग के साथ निकल जाता है और एक कॉमन मैन की जिंदगी में इसके बाद क्या-क्या तूफान आता है, यही कहानी इस छोटे से ट्रेलर में दिखाई गयी है। त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर वेब सीरीज में आपको कॉमेडी से लेकर फिर वैसी ही गूंज सुनाई देगी, जिससे आपको मिर्जापुर की यादें ताजा हो जाएंगी। फैंस को सबसे बड़ी ट्रीट पंचायत के प्रहलाद चा के किरदार के साथ मिलने वाली है, जो इस वेब सीरीज में पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा मिर्जापुर में जौनपुर के डॉन का किरदार निभा चुके रति शंकर शुक्ला एक बार फिर से इसी तरह के किरदार में दिखाई देंगे। सीए टॉपर त्रिभुवन मिश्रा की कहानी 18 जुलाई को लोगों के सामने आएगी।

कल्कि ने 13वें दिन सनी की गदर 2 को चटाई धूल, अब शाहरुख की पठान का तोड़ेगी रिकॉर्ड!

'कल्कि 2898 एडी ने सही मायनों में बॉक्स ऑफिस का सूखा खत्म कर दिया है. इस फिल्म की रिलीज के बाद से ही सिनेमाघरों ऑडियंस से गुलजार हैं और टिकट काउंटर भी ताबड़तोड़ नोट बटोरने में बिजी है. फिल्म की ओपनिंग काफी धुआंधार रही थी और इसके बाद इसने पहले हफ्ते में जबरदस्त कमाई की. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में भी खूब नोट छाप रही है. चलिए यहां जानते हैं 'कल्कि 2898 एडी ने 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? बॉक्स ऑफिस पर 'कल्कि 2898 एडी का जलजला आया हुआ है. इस फिल्म का जादू दर्शकों के सिर चढ़ा हुआ है और इसे देखने के लिए ऑडियंस सिनेमाघरों में खींची चली आ रही है. दरअसल फिल्म की कहानी के साथ स्टारकास्ट इतनी दमदार है कि हर कोई इसकी चर्चा कर रहा है. ऐसे में पॉजिटव वर्ड ऑफ माउथ का पूरा फायदा 'कल्कि को मिला है. फिल्म साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है और कई फिल्मों के रिकॉर्ड भी ब्रेक कर चुकी है. हालांकि रिलीज के दूसरे हफ्ते में अब फिल्म के कारोबार में गिरावट भी दर्ज की जा रही है बावजूद इसके ये अच्छा खासा कलेक्शन कर रही है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 95.3 करोड़ कमाए थे और इसकी पहले हफ्ते की कमाई 414.85 करोड़ रही. वहीं रिलीज के दूसरे हफ्ते के सेकंड फ्राइडे 'कल्कि 2898 एडी ने 16.7 करोड़ का कलेक्शन किया. दूसरे शनिवार फिल्म ने 34.15 करोड़ कमाए वहीं दूसरे रविवार फिल्म का कलेक्शन 44.35 करोड़ रुपये रहा. इसके बाद दूसरे मंडे फिल्म ने 10.4 करोड़ की कमाई की. वहीं अब 'कल्कि 2898 एडी की रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 13वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 9 करोड़ की कमाई की है. जिसमें तेलुगु में फिल्म ने 2.05 करोड़, तमिल में 0.6 करोड़, हिंदी में 5.75 करोड़, कन्नड़ में 0.1 करोड और मलयालम में 0.5 करोड़ की कमाई की है. इसके बाद कल्कि 2898 एडी का 13 दिनों का कुल कलेक्शन अब 529.45 करोड़ रुपये हो गया है. जिसमें फिल्म ने तेलुगु में 250.25 करोड़, तमिल में 31 करोड़, हिंदी में 224.65 करोड़, कन्नड़ में 4.25 करोड़ और मलयालम में 19.3 करोड़ की कमाई की है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई बेशक दूसरे हफ्ते के वीकडेज में घटी है लेकिन ये हर दिन कई फिल्मों के रिकॉर्ड भी ब्रेक कर रही है. इस फिल्म ने 13वें दिन भी सनी देओल की ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर 2 के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया. बता दें कि गदर 2 का लाइफ टाइम कलेक्शन 525 करोड़ रुपये था. वहीं 530 करोड़ के कलेक्शन के साथ अब प्रभास स्टारर फिल्म शाहरुख खान की पठान के 543.05 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ने की ओर बढ़ रही है. उम्मीद है कि इस हफ्ते कल्कि ये रिकॉर्ड भी ब्रेक कर देगी.